सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 02, अंक 285, नई दिल्ली । मंगलवार, 24 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 दिल्ली के बुजुर्गों को मिला संजीवनी योजना का कवच

06 प्रतिस्पर्धा से परे शिक्षा

08 महाकुंभ में प्रदूषण को कम करने के लिए झारखंड का 'एक थाली-एक थैला'

स्वीडन की तर्ज पर आगरा-दिल्ली नेशनल पर हाईवे बनेगाा इलेक्ट्रिक हाईवे! इस तरह होगा वाहनों का संचालन

स्वीडन की तर्ज पर आगरा-दिल्ली नेशनल हाईवे को इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की योजना है। इससे पर्यावरण को फायदा होगा वाहनों की गति बढ़ेगी और दुर्घटना की आशंका कम होगी। इलेक्ट्रिक हाईवे के निर्माण से हाईवे पर प्रदूषण में कमी आएगी। पहला इलेक्ट्रिक नई दिल्ली से जयपुर के मध्य बनेगा। 225 किमी लंबे हाईवे पर 55 सीटर बसों का संचालन किया जाएगा।

आगरा। छोटा लेकिन अच्छा प्रयास। दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर इलेक्ट्रिक हाईवे की फिजिबिलिटी देखी जा रही है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इलेक्ट्रिक हाईवे की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इलेक्ट्रिक हाईवे बनने से पर्यावरण को फायदा होगा। वाहनों की गति भी बढ़ जाएगी। दुर्घटना की आशंका भी कम रहेगी।

पहला इलेक्ट्रिक नई दिल्ली से जयपुर के मध्य बनेगा

स्वीडन की तर्ज पर भारत में भी इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की तैयारी चल रही है। पहला इलेक्ट्रिक नई दिल्ली से जयपुर के मध्य बनेगा। 225 किमी लंबे हाईवे पर 55 सीटर बसों का संचालन किया जाएगा। नई दिल्ली-आगरा हाईवे पर इलेक्ट्रिक हाईवे बन सकता है या फिर, इसकी फिजिबिलिटी देखी जा रही है। वर्तमान में नेशनल हाईवे छह लेन का हो गया है। हाईवे के दोनों तरफ एक-एक लेन की भूमि छूटी है।

पर्यावरण के लिए पूरी तरह से अनुकूल, वाहनों की बढ़ेगी गति

एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया कि इलेक्ट्रिक हाईवे का निर्माण कठिन नहीं है। एक लेन पर यह बन सकता है। दोनों तरफ क्रैश बैरियर या फिर अन्य दीवार बनानी होगी। ओवर हेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) लाइन बिछाई जाएगी जो भी वाहन चलेंगे। उन सभी में पेंटो लगा होगा। जैसे ही यह इलेक्ट्रिक हाईवे में वाहन प्रवेश करेंगे। पेंटो को ऊपर उठाना होगा। यह ओएचई से छूते ही बिजली की आपूर्ति चालू हो जाएगी। वाहनों की गति 100 से 120 किमी प्रति घंटा तक आसानी से हो सकती है।

हर वाहन इलेक्ट्रिक हाईवे पर नहीं चलेगा, पेटो और अच्छे टायर वालों को इजाजत

एनएचएआई के अधिकारी ने बताया, कि इलेक्ट्रिक हाईवे पर हर वाहन नहीं चलेगा। जिन वाहनों में पेंटो लगा होगा और टायरों की दशा ठीक होगी। उन सभी को चलाया जाएगा। इलेक्ट्रिक हाईवे से पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा।

इलेक्ट्रिक हाईवे का फायदा

पेट्रोल और डीजल की बचत होगी। वायु और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी। इससे पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचेगा। मालभाड़ा की दरें थोड़ी सस्ती होंगी।

यूं होगा वाहनों का संचालन

ट्रेनों की तर्ज पर इलेक्ट्रिक हाईवे का कंट्रोल रूम बनेगा। हाईवे पर चलने वाले प्रत्येक वाहन की जानकारी कंट्रोल रूम को होगी। वाहनों की गति सीमा पर आसानी से नजर रखी जा सकेगी।

इवी चार्जिंग व अन्य सुविधाएं

इलेक्ट्रिक हाइवे पर हर प्रकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल चल सकती है, इस हाइवे पर इलेक्ट्रिक व्हीकल को इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को कई सुविधा मिलती है, जिसमें पेट्रोल पंप के तर्ज पर ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, लागू होने के बाद बैटरी स्वाइपिंग मशीन आदि सुविधाएं शामिल हैं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

ग्रेटर नोएडा के निवासियों को नए साल पर मिलेगा अजायबपुर रेलवे ओवरब्रिज का तोहफा

इशिका मुख्य रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा के निवासियों के लिए नए साल की शुरुआत एक बड़ी सौगात के साथ होने जा रही है। जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में अजायबपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और अंतिम तैयारियां जारी हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ

इस ओवरब्रिज के शुरू होने से ग्रेटर नोएडा की जीटी रोड और टोल प्लाजा से सीधी कनेक्टिविटी स्थापित होगी। साथ ही, न्यू नोएडा से भी सीधा संपर्क संभव होगा, जहां नोएडा प्राधिकरण कोट गांव के पास अपना कार्यालय स्थापित कर रहा है। यह कनेक्शन शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

औद्योगिक टाउनशिप को मिलेगा बढ़ावा

अजायबपुर के पास स्थित इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप, जो लगभग 750 एकड़ में फैली है, को इस ओवरब्रिज से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। यहां हायर इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉमे मोबाइल, संत्कृति इन्फोटेनमेंट, चेनफेंग, जेवर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स और गुरु अमरदास जैसी 18 से अधिक बड़ी कंपनियों ने लगभग 6000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे औद्योगिक विकास को और गति मिलेगी।

जीटी रोड तक डबल लेन सड़क

अजायबपुर रेलवे स्टेशन से जीटी रोड तक जाने वाली सिंगल लेन सड़क को डबल लेन में परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे वाहन चालकों को सुगम यात्रा का अनुभव होगा। पहले सिरसा से ईस्टर्न पेरिफेरल के माध्यम से टोल टैक्स चुकाकर या बोड़की और दादरी के रास्ते लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अब यह यात्रा न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि दूरी भी कम हो गई है।

निवासियों में उत्साह

ग्रेटर नोएडा की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और ओमिक्रोन 1, 2 सहित 10 से अधिक सेक्टर के निवासियों को सिकंदराबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ और हाथरस जैसे शहरों तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे स्थानीय निवासियों और उद्योगों को आवागमन में सुविधा होगी और क्षेत्र का समग्र विकास संभव होगा। अजायबपुर रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन ग्रेटर नोएडा के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी।

ओवरलोडिंग जानने के लिए वाहनों में ही लगेगा डिस्प्ले बोर्ड केबिन में वेइंग डिवाइस अनिवार्य करने की तैयारी

ओवरलोडिंग के कारण प्रति वर्ष दस हजार से 15 हजार लोगों की जान चली जाती है। भारी वाहनों में ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए एक नई व्यवस्था पर काम चल रहा है। ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए 2019 में मोटर वाहन कानून में संशोधन किए गए थे लेकिन इसका भी कोई खास असर नहीं पड़ा है।

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानी जाने वाली ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार भारी वाहनों में केबिन के भीतर वजन बताने वाला डिस्प्ले बोर्ड अनिवार्य करने की दिशा में काम कर रही है। यह डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड ठीक उसी तरह भार को प्रदर्शित करेगा जैसा सामान्य वेइंग मशीनें करती हैं। वाहनों में क्षमता से अधिक वजन कई तरह की सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनता है।

वाहन निर्माता कंपनियों से बातचीत शुरू

केवल ट्रक ही नहीं, बसें भी ओवरलोडिंग के कारण हादसों की शिकार होती हैं। ओवरलोडिंग के कारण प्रति वर्ष दस हजार से 15 हजार लोगों की जान चली जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय की ओर से पिछले दिनों लोकसभा में बताया गया कि भारी वाहनों में ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए एक नई व्यवस्था पर काम चल रहा है। यह व्यवस्था वाहनों में वजन बताने के लिए आन बोर्ड डिस्प्ले पर आधारित है। इसके लिए वाहन निर्माता कंपनियों से बातचीत शुरू हुई है।

> नई प्रणाली की जमीन तैयार हो जाने के बाद इस व्यवस्था को अनिवार्य किया जा सकता है। ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए 2019 में मोटर वाहन कानून में संशोधन किए गए थे, लेकिन इसका भी कोई खास असर नहीं पड़ा है। इन्फोर्समेंट में परेशानी आने का कारण वजन कराने में आने वाली व्यावहारिक दिक्कत है।

कानून में भी किया जा चुका है संशोधन

नई प्रणाली की जमीन तैयार हो जाने के बाद इस व्यवस्था को अनिवार्य किया जा सकता है। ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाने के लिए 2019 में मोटर वाहन कानून में संशोधन किए गए थे, लेकिन इसका भी कोई खास असर नहीं पड़ा है। इन्फोर्समेंट में परेशानी आने का कारण वजन कराने में आने वाली व्यावहारिक दिक्कत है। आम तौर पर ट्रैफिक और पुलिसकर्मी वजन कराने की झंझट में पड़ने के बजाय ले-देकर मामला रफा-दफा करते हैं। कुछ मामलों में संबंधित वाहन पर जुर्माना लगाकर उसे जाने दिया जाता है। लेकिन इससे न तो सड़क सुरक्षा की अनिवार्य जरूरतें पूरी होती हैं और न ही सड़कों को होने वाले नुकसान की चिंता हो पाती है।

सेंसर आधारित वेइंग डिस्प्ले डिवाइस

मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार सेंसर आधारित वेइंग डिस्प्ले डिवाइस के लिए काम किया जा रहा है। इसे एकदम सटीक होना चाहिए, अन्यथा सड़कों पर समस्याएं उत्पन्न होंगी। वाहन निर्माताओं के साथ ही आइआइटी जैसे संस्थानों की भी मदद ली जाएगी। दूसरे देशों में इस तरह की प्रणाली पहले से अमल में है, इसलिए इसे अपनाने में ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अगले साल के अंत तक इसके लिए अधिसूचना जारी की जा सकती है, लेकिन इसके पहले वाहनों को जरूरी तकनीक से लैस करना होगा।

सड़क पर कैसे बनें बेहतर ड्राइवर, जानें वे छह ड्राइविंग गलतियां जो नए साल में न दोहराई जाएं

हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि हम में से हर कोई गाड़ी चलाते समय गलतियां करने का दोषी है। ड्राइविंग स्कूलों में सीखे गए पाठों में कार चलाने और ट्रैफिक नियमों के बारे में बुनियादी तकनीकी ज्ञान शामिल है। हालांकि, सड़कों पर गाड़ी चलाते समय, हम अक्सर ऐसी परिस्थितियों का सामना करते हैं जो ड्राइविंग स्कूलों में नहीं सिखाई जाती हैं। हालांकि ड्राविंग के हुनर को अलग-अलग परिस्थितियों में घंटों और दिनों तक गाड़ी चलाने से निखारा जाता है। फिलहाल, हम आपको छह बुनियादी बातें बताएंगे, जिनसे बचना जरूरी है ताकि बेहतर ड्राइवर बन सकें।

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों में, देश भर में कई घातक सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। जिन्होंने अपनी भीषण प्रकृति और नुकसान की सीमा के कारण सभी को हिलाकर रख दिया है। हाल ही में बंगलुरु के पास एक स्पोर्टयूटिलिटी व्हीकल (SUV) में यात्रा कर रहे छह और लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। लगभग एक महीने पहले, देहरादून में एक एमपीवी (MPV) कार से जुड़ी एक दुर्घटना हुई थी जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं ने कारों के सुरक्षा पहलू पर बहस को जन्म दिया है। हालांकि, कुछ नियम हैं, बहुत बुनियादी लेकिन बहुत महत्वपूर्ण है। जिनका लोगों को कार चलाते समय पालन करना चाहिए।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में सड़क दुर्घटनाएं 2022 में लगभग 4,61,000 से 2023 में 4 प्रतिशत बढ़कर 4,80,000 से ज्यादा हो गईं। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें 2022 में लगभग 1,68,000 से 2 प्रतिशत बढ़कर 2023 में 1,72,000 से ज्यादा हो गईं।

भारत में बिकने वाली हर कार सरकार द्वारा निर्धारित आधिकारिक वाहन सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन करती है। अब, देश का अपना खुद का कार मूल्यांकन कार्यक्रम भी है, जिसका नाम भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (BNCAP) है। जिसमें कारों को उनके सेफ्टी फीचर्स और तकनीकों के मूल्यांकन के लिए कई क्रैश टेस्ट से गुजरना पड़ता है। जिसके बाद उन्हें उनके सापेक्ष सुरक्षा प्रदर्शन को इंगित करने के लिए स्टार रेटिंग दी जाती हैं।

हालांकि, किसी को यह समझना चाहिए कि क्रैश टेस्ट में हाई सेफ्टी रेटिंग हासिल करने से कार को नुकसान हो ही नहीं सकता।

हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि हम में से हर कोई गाड़ी चलाते समय गलतियां करने का दोषी है। ड्राइविंग स्कूलों में सीखे गए पाठों में कार चलाने और ट्रैफिक नियमों के बारे में बुनियादी तकनीकी ज्ञान शामिल है। हालांकि, सड़कों पर गाड़ी चलाते समय, हम अक्सर ऐसी परिस्थितियों का सामना करते हैं जो ड्राइविंग स्कूलों में नहीं सिखाई जाती हैं। हालांकि ड्राविंग के हुनर को अलग-अलग परिस्थितियों में घंटों और दिनों तक गाड़ी चलाने से निखारा जाता है।

अनुभव के साथ, हम सीखते हैं कि विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर तरीके से कैसे गाड़ी चलानी है। गाड़ी चलाते समय हम जो गलतियां करते हैं, वे वास्तव में हमें उन गलतियों को न दोहराने का सबक देती हैं। चूंकि हम नए साल में प्रवेश करने वाले हैं, तो आइए एक बेहतर ड्राइवर बनने का संकल्प लें।

फिलहाल, हम आपको छह बुनियादी बातें बताएंगे, जिनसे बचना जरूरी है ताकि बेहतर ड्राइवर बन सकें। यह आपको कार चलाते समय खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखने के लिए करनी चाहिए। हम इन छह नियमों को बुनियादी इसलिए कह रहे हैं क्योंकि हर कोई इनके बारे में जानता है। लेकिन क्या हर कोई इनका पालन कर रहा है? यही अहम सवाल है।

सीटबेल्ट पहनें

सीटबेल्ट पहनना सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। कार में हर व्यक्ति, चाहे वह आगे की पंक्ति में हो, दूसरी पंक्ति में हो या तीसरी पंक्ति में (जहां भी लागू हो), को सीटबेल्ट पहनना जरूरी है। अगर सभी लोग सीटबेल्ट पहने हुए हैं, तो सड़क दुर्घटना में होने वाली कई मौतों को रोका जा सकता है। याद रखें कि अगर आप दूसरी या तीसरी पंक्ति में हैं और ड्राइवर किसी कारण से जोर से ब्रेक लगाता है। तो अगर आपने सीटबेल्ट नहीं पहना है, तो आप घायल हो सकते हैं। क्योंकि आप आगे की सीट से टकरा सकते हैं।

सीट बेल्ट पहनने से सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का जोखिम 45 प्रतिशत और गंभीर चोट का जोखिम 50 प्रतिशत कम हो जाता है। भारत सहित कई देशों में सीट बेल्ट न पहनना ट्रैफिक कानूनों के खिलाफ है। सीट बेल्ट पहनना न सिर्फ आगे की सीट पर बैठे लोगों के लिए बल्कि पीछे की सीट पर बैठे लोगों के लिए भी अनिवार्य है।

मोटर वाहन अधिनियम में सीट बेल्ट उल्लंघन की गंभीरता पर जोर देने के लिए संशोधन किया गया है। और अब पीछे की सीट पर सीट बेल्ट न पहनने पर जुर्माना लगाया जाएगा। वास्तव में, नई कारों में सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट रिमाइंडर अलर्ट अनिवार्य रूप से आते हैं। जब भी आप कार चलाएं तो सीट बेल्ट पहनना सुनिश्चित करें। इसके अलावा, अगर आप गैर-चालक के रूप में कार में बैठे हैं, तो सीट बेल्ट पहनें, क्योंकि यह आपकी सुरक्षा को बढ़ाएगा।

गति सीमा पार न करें

गति सीमा का अनुपालन करने वाली उचित गति बनाए रखना जरूरी है। बहुत तेज चलने से दुर्घटना का जोखिम बढ़ सकता है। जबकि बहुत धीमी गति से चलने से ट्रैफिक का प्रवाह बाधित हो सकता है।

सावधानी से ओवरटेक करें

ओवरटेकिंग सावधानी से की जानी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सड़क साफ हो और आपके पास सुरक्षित रूप से ओवरटेक करने के लिए पर्याप्त जगह हो। कम विजिबिलिटी (दृश्यता), अंधे मोड़ या रात के समय, कोहरे या भारी बारिश जैसी अन्य खतरनाक स्थितियों वाले क्षेत्रों में ओवरटेकिंग से बचें।

ओवरटेक करने से पहले अपने शीशे और ब्लाइंड स्पॉट की जांच करें और अपने इरादे के बारे में दूसरे ड्राइवरों को सूचित करने के लिए अपने टर्न सिग्नल का इस्तेमाल करें। जिस वाहन को आप ओवरटेक कर रहे हैं, उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें और अपनी लेन में लौटने से पहले पर्याप्त जगह दें।

लेन बदलते समय टर्न इंडिकेटर जलाएं

टर्न सिग्नल का इस्तेमाल दूसरे ड्राइवरों को आपके इरादों के बारे में बताने के लिए जरूरी है। इसमें ओवरटेक करने, लेन बदलने या मुड़ने से पहले सिग्नल देना शामिल है। यह आपकी हरकतों को दूसरे सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए पूर्वानुमानित बनाकर दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

आगे की गाड़ी से कुछ दूरी बनाए रखें

आगे की गाड़ी से सुरक्षित दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। इससे आपको कुछ होने पर प्रतिक्रिया करने के लिए पर्याप्त जगह मिल जाती है, जैसे कि आगे की गाड़ी अचानक रुक जाए। इसे टेलगेटिंग की समस्या कही जाती है। टेलगेटिंग दुनिया भर में कई छोटी और बड़ी सड़क दुर्घटनाओं के पीछे एक प्रमुख कारण है, खासकर भीड़भाड़ वाली ट्रैफिक स्थितियों में। भारत जैसे देश में जहां ट्रैफिक की स्थितियां बहुत विविध और घनी हैं, टेलगेटिंग विनाशकारी हो सकती है।

टेलगेटिंग से आपको ब्रेक लगाने के लिए बहुत कम जगह मिलती है। अगर आपके सामने वाले वाहन को अचानक ब्रेक लगाने की जरूरत होती है, तो इसकी वजह से आखिरकार आपकी उस वाहन के पीछे से टक्कर होगी। ड्राइविंग का एक अच्छा नियम यह है कि अपने सामने वाले वाहन से कम से कम तीन सेकंड की दूरी बनाए रखें। अगर मौसम या किसी अन्य कारण से विजिबिलिटी खराब है, तो कुछ अतिरिक्त सेकंड या उससे ज्यादा की दूरी बनाए रखने पर विचार करें।

सनरूफ से बाहर न लटकें

भारतीय खरीदारों की सनरूफ वाली कारों को बहुत तेजी से दिलचस्पी बढ़ी है। सनरूफ प्राकृतिक रोशनी को अंदर आने देती हैं और केबिन को विशाल बनाती हैं। हालांकि, सनरूफ या किसी भी खिड़की से बाहर लटकना खतरनाक और विचलित करने वाला हो सकता है। और आमतौर पर ऐसा न करने की सलाह दी जाती है, खासकर बच्चों के मामले में।

तीन माह में झारखंड से खत्म हो जायेंगे माओवादी : डीजीपी

ओडिशा में आयोजित राष्ट्रीय डीजीपी,आई जी सम्मेलन का असर

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड -झारखंड.

चाईबासा। तीन सप्ताह पहले सिंहभूम से महज 300 किलो मीटर दुरी पर ओडिशा की राजधानी भूवनेश्वर मे आयोजित अखिल भारतीय स्तर डीजीपी एवं आई जी सम्मेलन का असर अब यहां दिखने लगा है . जहां शनिवार को झारखंड के डीजीपी ने अनुराग गुप्ता ने सिंहभूम की अब तक की बड़ी घटना के बाद कहा कि अगले तीन माह में झारखंड से माओवादी समस्या खात्मा हो जायेगा .

उल्लेखनीय है कि भूवनेश्वर के लोकसभा भवन में आयोजित उस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 19 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निर्देशन में मुख्यतः माओवाद दमन, नशा उन्मूलन ,अपराध नियंत्रण , मानव संसाधन, बुनियादी ढांचे का विकास,नई तकनीकी विकास हेतु महत्त्वपूर्ण आयोजन रखा गया था । इसके अलावे कुछ नये मुद्दे पर भी विस्तार से विचार विमर्श किया गया था।

इधर शनिवार के दिन पश्चिमी सिंहभूम मुख्यालय चाईबासा में डीजीपी अनुराग गुप्ता और सीआरपीएफ डीजी अनीश दयाल सिंह ने समाहरणालय सभागार में राज्य के विभिन्न जिलों में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान की समीक्षा की. करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक के बाद डीपीजी ने कहा कि झारखंड में 95 प्रतिशत नक्सल समस्या समाप्त हो गयी है. बाकी पांच प्रतिशत को तीन महीने में समाप्त कर दिया जाएगा.

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने यहां बताया कि सीआरपीएफ डीजी के मार्गदर्शन में झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ और इंटेलिजेंस एजेंसी ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया है कि अगले तीन महीने में चाईबासा समेत झारखंड से समस्या को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा. उन्होंने पिछले दिनों गुदड़ी प्रखंड में हुई घटना पर कहा कि आज की बैठक में यह मुद्दा नहीं था. यह लोकल मुद्दा है. बैठक में पूरे राज्य की नक्सल समस्या का विश्लेषण किया गया। बैठक में आईजी साकेत सिंह, आईजी अभियान एवी होमकर, आईजी, डीआईजी स्पेशल ब्रांच, आईबी और सीआरपीएफ के ऑफिसर एवं बोकारो, गिरिडीह, सरायकेला और खूंटी के एसपी शामिल हुए. इस बैठक के बाद पदाधिकारियों और जवानों का हौसला बुलंद दिखा. चाईबासा आने से पहले डीजीपी अनुराग गुप्ता ने नक्सल प्रभावित टोंटो और रेंगड़ा के सीआरपीएफ पोस्ट का निरीक्षण किया।

चुनाव में पूर्व बस मार्शलों की एंट्री, उम्मीदवार घोषित; केजरीवाल के खिलाफ भी उतारा कैंडिडेट

दिल्ली में पूर्व बस मार्शलों ने चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। वो जनहित दल की तरफ से चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले दिन उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की गई।

अक्टूबर 2023 में बसों से बाहर धकेल दिए गए मार्शल अब नेता बनकर दिल्ली के चुनावी अखाड़े में उतरने जा रहे हैं। दिल्ली में बस मार्शलों का मुद्दा पिछले कुछ दिनों से उठ रहा है, क्योंकि आपसी राजनीति में तकरीबन सिविल डिफेंस वालंटियर्स, जो बसों में मार्शल पद पर तैनात थे, उनकी वापसी नहीं हुई है। ऐसे में बस मार्शल अब खुद राजनीति के मैदान में दांव लगाने उतर रहे हैं।

दिल्ली में पूर्व बस मार्शलों ने चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। वो जनहित दल की तरफ से चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली में अभी चुनाव की तारीख का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन आम आदमी पार्टी की तर्ज पर आगे बढ़ते हुए चुनाव लड़ने वाले पूर्व बस मार्शलों की लिस्ट जारी कर दी गई है। पहली लिस्ट में 5 पूर्व मार्शलों को उम्मीदवार बनाया गया है। नई दिल्ली विधानसभा सीट से पूर्व मार्शल आदित्य राय को AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कैंडिडेट बनाया गया है।

AAP ने दिल्ली में सभी सीटों पर कैंडिडेट उतारे

जनहित दल से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी सभी 70 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार चुकी है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री आतिशी को कालकाजी सीट, सत्येंद्र कुमार जैन शकूर बस्ती से, सोमनाथ भारती मालवीय नगर सीट, सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश से, मनीष सिसोदिया इस बार पटपड़गंज की जगह जंगपुरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है, इसलिए INDI गठबंधन में साझीदार कांग्रेस भी अपने उतार रही है। पिछले दिनों कांग्रेस की तरफ से 21 उम्मीदवारों की लिस्ट सामने आई, जिसमें संदीप दीक्षित को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से टिकट दिया गया। हालांकि अभी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने कैंडिडेट नहीं उतारे हैं।

सर्दियों में चने का साग: सेहत के लिए अमृत, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल में कारगर

परिवहन विशेष न्यूज

सर्दियों के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों की बहार होती है, जिनमें चने का साग विशेष स्थान रखता है। यह पौष्टिक साग न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभदायक है। आइए, जानते हैं चने के साग के प्रमुख फायदों के बारे में:

डायबिटीज में सहायक

चने के साग में विटामिन बी, विटामिन सी और फोलेट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हैं। इन पोषक तत्वों की मौजूदगी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करती है।

इम्यूनिटी बूस्टर

इस साग में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। सर्दियों में इसका सेवन आपको बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है।

कब्ज से राहत

चने के साग में उच्च मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो आंतों की गतिविधि को सुचारु रखता है और कब्ज की समस्या को कम करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल में सुधार

इस साग में हेल्दी फैट और पोटैशियम होता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। यह रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) के स्तर को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है।

आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद

चने के साग में विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो आंखों की सेहत के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनकी मौजूदगी आंखों को फ्री रेडिकल्स से बचाती है और दृष्टि को बेहतर बनाती है।

वजन घटाने में सहायक

फाइबर और प्रोटीन से भरपूर यह साग कम कैलोरी वाला होता है, जिससे यह वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है। साथ ही, इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक पेट भरे होने का एहसास कराती है और अधिक खाने से बचाती है। सर्दियों में चने के साग का नियमित सेवन आपको इन सभी स्वास्थ्य लाभों का फायदा पहुंचा सकता है। इसे अपनी डाइट में शामिल करें और सेहतमंद जीवन का आनंद लें।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर आईपीएस अधिकारियों के तबादले: कानून-व्यवस्था में सुधार की कवायद

इशिका मुख्य रिपोर्टर : उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इन तबादलों में कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों का स्थानांतरण शामिल है, जिससे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है।

प्रमुख तबादले: - डॉ. अजय पाल शर्मा, जो जौनपुर के पुलिस अधीक्षक थे, उन्हें प्रयागराज कमिश्नरेट में प्रभारी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है।

- डॉ. कौस्तुभ, अंबेडकरनगर के पूर्व एसपी, अब जौनपुर के नए पुलिस अधीक्षक होंगे।

- केशव कुमार, लखनऊ में पुलिस उपायुक्त, को अंबेडकरनगर का एसपी बनाया गया है।

- संकल्प शर्मा, देवरिया के एसपी, और निपुन अग्रवाल, हाथरस के एसपी, को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

- अपर्णा रजत कौशिक, कासगंज की एसपी, अब अमेठी की पुलिस अधीक्षक होंगी।

- अंकिता शर्मा, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त, को कासगंज का एसपी नियुक्त किया गया है।

- अनूप कुमार सिंह, एसपी अमेठी, को 35वीं वाहिनी पीएसी, लखनऊ भेजा गया है।

- विक्रांत वीर, एसपी बलिया, अब देवरिया के एसपी होंगे।

- डॉ. ओमवीर सिंह, लखनऊ में पुलिस उपायुक्त, को बलिया का एसपी बनाया गया है।

- रामनयन सिंह को बहराइच का एसपी नियुक्त किया गया है।

- चिरंजीव नाथ सिन्हा, हाल ही में पीपीएस से आईपीएस बने, को हाथरस का एसपी बनाया गया है।

- डॉ. अभिषेक महाजन, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे, को सिद्धार्थनगर का एसपी नियुक्त किया गया है।

तबादलों का उद्देश्य: इन व्यापक तबादलों का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और प्रशासनिक कार्यक्षमता में सुधार लाना है। सरकार का मानना है कि इन बदलावों से पुलिस बल में नई ऊर्जा का संचार होगा और जनता को बेहतर सुरक्षा सेवाएं मिलेंगी।

प्रदेश में इस बड़े पैमाने पर हुए प्रशासनिक फेरबदल से सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है, जिससे नागरिकों का विश्वास बढ़ेगा और अपराध नियंत्रण में सहायता मिलेगी।

मतलब कानपुर में महिलाएं ही महिलाओं की दुश्मन, आई टी आई गर्ल्स हॉस्टल कर्मी के खिलाफ एफ आई आर

- बाल पड़कर छात्रा को लात घूसों से पीटने के मामले में कल्याणपुर के एसीपी ने शुरू की जांच, समाज कल्याण विभाग में आरोपी महिला कर्मचारी को हटाया
- कई मामलों में महिलाओं ने ही महिलाओं के खिलाफ दर्ज करा रखी है एफ आई आर

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां आई टी आई गर्ल्स हॉस्टल में महिला कर्मी द्वारा शराब के नशे में छात्रा से मारपीट करने का मामला टूर पड़ गया है।पुलिस ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिसके बाद कल्याणपुर के एसीपी ने जांच शुरू कर दी है। उनके मुताबिक मामले में जल्द ही चार्ज शीट दाखिल की जाएगी।

इस एफ आई आर में आरोपी महिला कर्मचारी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट भी लगाया गया है। यही वजह है कि मामले की विवेचना एसपी कल्याणपुर की हवाले की गई है ,जिसे उन्होंने शुरू भी कर दिया है। मामले में जल्द चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

घटना के बारे में अवगत कराते चलें कि बीते 18 दिसंबर को हॉस्टल में आई टी आई छात्रा से वहां के कर्मचारी गुड़िया ने शराब के नशे में बाल पकड़कर थप्पड़ लात घूंसों से पीटा था। इस दौरान उसने जातिसूचक शब्द कहकर उसे अपमानित भी किया था। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया था।

दर्ज कराई एफआईआर के मुताबिक घटना के समय छात्रा अपने रूम में मौजूद थी। उसी समय और गुड़िया ने आंगन से आवाज लगाई थी। उसने गुड़िया की आवाज सुनी और रूम से ही कहा कि वो उपस्थित है। उसके बाद भी गुड़िया ऊपर चढ़कर आई और साथ रहने वाली छात्रा को बाहर कर फिर उसके साथ मारपीट की। पुलिस के मुताबिक ऐसा क्यों किया गया यह विवेचना में स्पष्ट हो जाएगा।

मौके पर पहुंची पुलिस को छात्रा ने बताया कि बीते 2 दिसम्बर को भी गुड़िया सिंह ने उसे देख लेने, सबक सिखाने और करियर बर्बाद कर देने की धमकी दी थी।

छात्र का आरोप यह भी है कि जब उसने वार्डन किरण बाला से इसकी शिकायत दर्ज कराई तो उन्होंने कार्रवाई करने के बजाए उलटा पीड़िता छात्रा को डांट लगाकर चुप करा दिया था। फिलहाल मामले में समाज कल्याण विभाग ने भी कर्मचारी गुड़िया सिंह को हटा दिया है। कुल मिलाकर कानपुर में महिलाएं ही उनकी महिलाओं की दुश्मन साबित हो रही है। कई मामलों में तो महिलाओं ने ही महिलाओं के खिलाफ मुकदमे भी दर्ज कर रखे हैं।

नोएडा और गाजियाबाद में हरित क्षेत्र के आंकड़ों पर आईएसएफआर 2023 रिपोर्ट से उत्पन्न भ्रम

इशिका मुख्य रिपोर्टर : भारत राज्य वन रिपोर्ट (ISFR) 2023 ने नोएडा और गाजियाबाद के हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) के आंकड़ों में असंगतियों के कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है। रिपोर्ट में इन जिलों के भौगोलिक क्षेत्रों में बदलाव और हरित क्षेत्र के प्रतिशत में उतार-चढ़ाव ने अधिकारियों और पर्यावरणविदों के बीच सवाल खड़े कर दिए हैं।

नोएडा: क्षेत्रफल वृद्धि के बावजूद हरित क्षेत्र में गिरावट का दावा

ISFR 2023 के अनुसार, नोएडा का भौगोलिक क्षेत्र 1,282 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 1,441.8 वर्ग किलोमीटर हो गया है। हालांकि, हरित क्षेत्र 20 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 22 वर्ग किलोमीटर होने के बावजूद, रिपोर्ट में हरित क्षेत्र के प्रतिशत में 0.05% की गिरावट दर्ज की गई है। इस पर जिला वन अधिकारी प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्रफल बढ़ने के बावजूद हरित क्षेत्र में 0.02% की वृद्धि हुई है और वे इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगेंगे।

गाजियाबाद: क्षेत्रफल में कमी और हरित क्षेत्र के आंकड़ों में विसंगति

गाजियाबाद के मामले में, 2021 की रिपोर्ट में भौगोलिक क्षेत्र 1,179 वर्ग किलोमीटर था, जो 2023 में घटकर 891.6 वर्ग किलोमीटर हो गया है। साथ ही, हरित क्षेत्र 25.2 वर्ग किलोमीटर से घटकर 21 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इसके बावजूद, रिपोर्ट में हरित क्षेत्र के प्रतिशत में 0.05% की वृद्धि दिखाई गई है। उत्तर प्रदेश वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन निष्कर्षों को भ्रमित करने वाला बताया और संकेत दिया कि भौगोलिक क्षेत्र के निर्धारण में भारतीय सर्वेक्षण (SoI) के डेटा के उपयोग से ये असंगतियां उत्पन्न हुई हैं।

पर्यावरणविदों की चिंताएं और पेड़ों की कटाई

पर्यावरण कार्यकर्ता सुशील राघव ने रिपोर्ट के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि हरित क्षेत्र में कमी आई है, तो प्रतिशत में वृद्धि कैसे संभव है। उन्होंने आंकड़ों में हेरफेर का आरोप लगाया और कहा कि नामकरण में बदलाव के कारण यह भ्रम उत्पन्न हो सकता है। गाजियाबाद में पिछले 15 वर्षों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए हजारों पेड़ काटे गए हैं, जिससे हरित क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

भविष्य की दिशा और आवश्यक स्पष्टीकरण

इन असंगतियों के मद्देनजर, वन विभाग और पर्यावरणविदों के बीच रिपोर्ट की सटीकता पर संदेह बना हुआ है। आगे की जांच और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है ताकि हरित क्षेत्र की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और पर्यावरण संरक्षण के लिए उचित कदम उठाए जा सकें।

जय रणजीत सरकार के जयकारे से गूंजा इन्दौर

आज अष्टमी पर हनुमान जी यानि रणजीत बाबा की परम्परागत प्रभातफेरी में रथ पर सवार होकर रणजीत सरकार माता अहिल्या की नगरी इंदौर पर अपनी कृपा बनाए रखना रखने हेतु नगर भ्रमण पर निकले। अपने भक्तों का कल्याण करना यही मंगलकामना करते हैं। धर्म ध्वजा व सनातन संस्कृति व भगवा ध्वज की आस्था लिए युवा बच्चे बड़े बुजुर्ग महिला पुरुष सभी रणजीत बाबा की जय जयकार करते आल सुबह से सैलाब उमड़ पड़ा। यही वीर बजरंग बली का जलवा देख सभी एक साथ बोले

जय रणजीत जय हनुमान

जय जय सियाराम।।

प्रेषक स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान जबरी बाग़ नसिया इन्दौर मध्यप्रदेश

हर भारतीय को क्रिसमस मनाने की बजाय भारत के हिंदू शहजादों के बलिदान को सम्मान देना चाहिए : राजेश खुराना

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा, संजय साग़र सिंह। सामाजिक चिंतक राजेश खुराना ने शोक सप्ताह के दौरान गुरु गोविंद सिंह जी और उनके साहबजादों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि हर भारतीय को क्रिसमस मनाने की बजाय भारत के हिंदू शहजादों के बलिदान को सम्मान देना चाहिए। उनका यह मानना है कि हमे बच्चों को हमारे वीर इतिहास और उनके बलिदानों के बारे में जागरूक करना चाहिए, ताकि वे समझ सकें कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कितने महान पुरुषों ने अपने प्राणों की आहुति दी।

श्री खुराना ने विशेष रूप से गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार के शहीदी संघर्ष का उल्लेख किया, जहां पिता ने अपने छोटे पुत्रों को सत्य, धर्म और देश की रक्षा के लिए शहीद कर दिया, जो इतिहास में एक दुर्लभ उदाहरण है।

उन्होंने आगे बताया कि 21 से 27 दिसंबर तक का सप्ताह सिख इतिहास में शोक का सप्ताह होता है, क्योंकि इस दौरान गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार ने संघर्ष किया और उनके दोनों छोटे पुत्र, जोरावर सिंह और फतेह सिंह, धर्म की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।

अंत में श्री खुराना ने सवाल उठाया कि क्यों आज भारत में कुछ लोग क्रिसमस के जश्न में डूबे हुए हैं, जबकि हम अपने वीरों और उनके बलिदानों को भूलते जा रहे हैं। उनका यह संदेश था कि हमें अपने इतिहास को जानने और उसे याद रखने की आवश्यकता है, ताकि हम अपने महान बलिदानियों की कुर्बानियों को सम्मान दे सकें और देशहित में, एक राष्ट्र के रूप में अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान की शहरवासियों से अपील -

"थोड़ी सी सावधानी से हम दवाइयों के खर्च और नकली दवाइयों से बच सकते हैं"

आगरा, संजय साग़र सिंह। वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने कहा कि आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनियमित खानपान के कारण अधिकांश परिवारों में कोई न कोई बीमारी रहती है, जिससे दवाइयों का खर्च बढ़ता जा रहा है। इस बढ़ते खर्च का फायदा उठाकर नकली दवाइयों के कारोबारी जनता को धोखा दे रहे हैं। श्री खान साहब ने बताया कि थोड़ी सी सावधानी से हम दवाइयों के खर्च और नकली दवाइयों से बच सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जब भी दवाइयाँ खरीदी जाएं, तो पक्का बिल अवश्य लें, क्योंकि नकली दवाइयों का कारोबार अक्सर बिना बिल के होता है। साथ ही, उन्होंने जेनरिक दवाइयों के उपयोग की सलाह दी, क्योंकि ये ब्रांडेड दवाइयों से सस्ती होती हैं, लेकिन उनका असर समान रहता है। उन्होंने आगे बताया कि जेनरिक दवाइयाँ जैसे सिपला, इंटास, मैनकाइंड आदि की कंपनियों से खरीदनी चाहिए। अंत में, श्री खान ने शहरवासियों को आगरा स्मार्ट सिटी के तहत स्थित स्मार्ट हेल्थ सेंटर की सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की, जहां नगर निगम क्लीनिक पर सस्ती दरों पर दवाइयाँ और पैथोलॉजी जांच उपलब्ध हैं। साथ ही दवाइयों पर 80% तक की छूट मिलती है और वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा परामर्श बहुत कम शुल्क में दिया जाता है।

रॉय इंटरनेशनल म्यूजिक अवार्ड साल का बेहतरीन अवार्ड शो - डॉ सुनील पाराशर

सुषमा रानी

रॉय इंटरनेशनल म्यूजिक अवार्ड एल.टी.जी सभागार में आयोजित हुआ दर्शकों से खचाखच भरा हुआ सभागार जाता हुआ साल की मीठी सी याद दे गया अमित राय ने एक बहुत बढ़िया प्रोग्राम दिल्लीवासियों को दिया। प्रोग्राम शुरुआत गणेश वंदना व नृत्य से हुई और उसके बाद तो फ़िल्मी गाने क्लासिकल नृत्य व फ़िल्मी डांस का एक खूबसूरत गुलदस्ता बन गया. जिसको सभी लोगों ने पसंद किया साथ ही जिसमे दिल्ली व मुंबई की जानीमानी हस्तियों जिसमे एक्टर मनोज बक्शी, सदफ सैयद चीफ गेस्ट सीईओ मुथूट माइक्रोफिन, फिल्म डायरेक्टर कवि व लेखक इकबाल दुर्रानी, क्रिएटिव फिल्म डायरेक्टर व सीनियर जर्नलिस्ट डॉ सुनील पाराशर, पंजाबी सिंगर शंकर साहनी, समाजसेवी सिंगर तिलक खेड़ा, चीफ़ पैटर्न स्वामी भवानी महाराज, उस्ताद जुनैद खान सेलिब्रिटी सिंगर व संध्या राय डायरेक्टर ऑफ़ राय, प्रदेश कार्यकारिणी भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के पूर्व प्रभारी एवं संयोजक सदस्य डॉक्टर ओम प्रकाश शर्मा, रामानुज सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के अध्यक्ष डॉक्टर राजकुमार सिंह जो की सदस्य हैं केंद्रीय फिल्म फिल्म प्रमाणन बोर्ड एडवाइजरी केयर बोर्ड भारत सरकार के, संजीव कुमार अंडर सेक्रेट्री गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया मिनिस्ट्री फाइनेंस डिपार्टमेंट ऑफ़ रेवेन्यू , मुख्य प्रबंधक राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड फिल्म राइटर डायरेक्टर मोहम्मद जावेद यूसुफ, डीएमडीएस वेंचर्स के देवघर दत्त शर्मा को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर डॉक्टर सुनील पाराशर ने कहा कि इस तरह का प्रोग्राम नए लोगों का मनोबल तो बढ़ता ही है साथ ही और लोगों को प्रेरित भी करता है अच्छे से अच्छा काम करने के लिए, अमित राय काफी वर्षो से सामाजिक कार्यों के से जुड़े हुए हैं साथ ही इस तरह के प्रोग्राम करके नए लोगों को बहुत अच्छा मंच दिया हैं और आज का प्रबंध देखकर और बच्चों पवन शर्मा आर्ट म्यूज़िक ग्रुप का काम देखकर बहुत ही खुशी महसूस हुई, मनोज बख्शी ने कहा दिल्ली की सर्दी में यह प्रोग्राम रगारग गर्मी दे गया, सदफ सैयद ने कहा अमित राय मुबारक के हक़दार है बहुत बढ़िया कार्यक्रम, इकबाल दुर्रानी ने कहा की इस प्रोग्राम को सफल बनने मै जितनी मेहनत अमित ने की है उतनी ही तारीफ पवन शर्मा म्यूसिकल ग्रुप की भी करनी होगी इतने अच्छे कार्यक्रम तो मुंबई में भी नहीं होते, शंकर साहनी ने कहा किसी भी नए कलाकार को मंच मिलना उसके लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि किसी की किस्मत का पता नहीं होता कब छोटा सा मंच एक बड़े कलाकार को जन्म दे देता है. रामानुज सिंह ने कहा कि मैं हमेशा स्लम एरिया के बच्चों के साथ खड़ा खड़ा हूं और इनका परफॉर्मेंस देखकर मुझे बहुत खुशी हुई इसी के साथ, डॉक्टर राजकुमार सिंह ने कहा कि मैं हमेशा तन मन धन से आपके साथ खड़ा हूं, इस अवसर पर अमित राय ने कहा कि राय इंटरनेशनल म्यूजिक अवार्ड शुरुआत है हम सभी ने बहुत मेहनत है इसे सफल बनाने के लिए अवार्ड में कई कैटेगरी रखी है जैसे बिजनेसमैन, होटल मैनेजमेंट, फैशन, स्कूल, लेखक, कवि, समाजसेवी, सगींत से जुड़े या किसी एनजीओ या जर्नलिज्म, आर्ट और कल्चर से जुड़े ऐसे लोगों को मौका दिया जिन्होंने समाज व देश के बेहतर निर्माण में अपनी भागीदारी रखी है उनको सम्मानित करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है , प्रोग्रम के अंत में सभी गायको व सेलिब्रिटीज़ को संध्या राय ने पटका और क्रिटिव फ़िल्म डायरेक्टर डॉक्टर सुनील पाराशर व फ़िल्म प्रोडूसर अमित राय ने अवार्ड देकर सबको सम्मानित किया।

इतनी दीवानगी अच्छी नहीं

ऐ इतनी दीवानगी अच्छी नहीं यारा,
ज़ब कोई तुझसे नाम तेरा पूछे, और
होश में भी तू मेरा नाम बताएं प्यारा।
हाँ, देखों मैं कितना खुशकिस्मत हूँ,
कितना बस गया दिल से सहमत हूँ!
मैं तेरे प्यार की सबसे बड़ी रहमत हूँ।

ऐ इतनी दीवानगी अच्छी नहीं यारा,
ज़ब कोई तुझसे नाम तेरा पूछे, और
होश में भी तू मेरा नाम बताएं प्यारा।
तुझे क्यों? हैं मुझसे इतनी दीवानगी,
क्या? अभिभावक दे देंगे परवानगी!
ये नौबत न आए डालना पड़े रवानगी।

ऐ इतनी दीवानगी अच्छी नहीं यारा,
ज़ब कोई तुझसे नाम तेरा पूछे, और
होश में भी तू मेरा नाम बताएं प्यारा।
तेरी जुल्फों के साए में जीना हैं हमें,
सारी ज़न्दिगी भर उसमें ही रहें रमें!
इतनी मोहब्बत करें अपनी खूब जमें।

भाजपा की जांच एजेंसियों ने बिना मंजूरी के अरविंद केजरीवाल को

सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की छह माह पहले हुई गिरफ्तारी को लेकर पार्टी ने बड़ा खुलासा किया है। "आप" के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह का कहना है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पूरी तरह से अवैध और गैर कानूनी थी, क्योंकि इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और एलजी से कोई मंजूरी नहीं ली गई थी। अब गृह मंत्रालय से उनके खिलाफ केस चलाने की मंजूरी ली जा रही है। इससे साफ है कि भाजपा की जांच एजेंसियों ने बिना मंजूरी के उनको गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि एक सीटिंग मुख्यमंत्री को बगैर गृह मंत्रालय की मंजूरी के गिरफ्तार नहीं किया जा सकता, अब जेल में गुजारे उनके छह महीने कौन वापस करेगा? अब हमारा ये आरोप भी सच साबित हो गया है कि अरविंद केजरीवाल व ₹आप₹ की राजनीति को खत्म करने और दिल्ली सरकार को गिराने के लिए एक झूठा केस कर उनको गिरफ्तार किया गया था। दिल्लीवाले इस अवैध गिरफ्तारी का जवाब इस चुनाव में देंगे। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि आम आदमी पार्टी बार-बार यह बात कहती रही है कि भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार को लोकतंत्र में यकीन नहीं है। इनको संघीय ढांचे में यकीन नहीं है। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके सरकारों को गिराना, खरीद फरोख्त करना और लोकतंत्र का गला घोंटना भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार की असलियत है। अब जिस मामले का खुलासा हुआ है देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पूरी तरह से अवैध थी, गैरकानूनी थी और बगैर सेंक्शन के थी। ये एक प्रचंड बहुमत से निर्वाचित मुख्यमंत्री को, देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री को बगैर सेंक्शन के गिरफ्तार कर लेते हैं। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) का सेंक्शन मिल रहा है। इसका मतलब है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी दिल्ली सरकार को गिराने के लिए की गई थी। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने के लिए की गई थी। यह सच अब सबके सामने आ चुका है। ये एक सीटिंग सीएम बगैर सेंक्शन के अरेस्ट कैसे कर सकते हैं? इन्होंने देश के अंदर तानाशाही और गुंडागर्दी मचा रखी है। ये कहीं भी किसी को भी गिरफ्तार करके जेल में डाल देंगे। अरविंद केजरीवाल की जिंदगी के वह 6 महीने कौन वापस करेगा? छह महीने जो जेल में यातनाएं दी गईं, जान से मारने तक की कोशिश की गई, वह कौन वापस करेगा। यह एक अवैध गिरफ्तारी, गैर-कानूनी और बगैर सेंक्शन के गिरफ्तारी है।

संजय सिंह ने कहा कि मैं समझता हूं कि एक बार फिर से जो हमारा आरोप था कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने के लिए झूठा और बेबुनियाद मामला बनाकर उनको गिरफ्तार किया गया था, यह बात सच साबित होती है क्योंकि उनकी गिरफ्तारी बगैर एमएचए और एलजी के सेंक्शन की थी।

दिल्ली के बुजुर्गों को मिला संजीवनी योजना का कवच, केजरीवाल ने जंगपुरा से की रजिस्ट्रेशन की शुरुआत

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 23 दिसंबर दिल्ली में सोमवार से संजीवनी योजना के लिए भी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई। इस योजना के तरह पंजीकरण कराने वाले बुजुर्गों को मुफ्त इलाज कराने का एक और सुरक्षा कवच मिल गया है। पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री आतिशी के साथ खुद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंगपुरा विधानसभा में कई बुजुर्गों का रजिस्ट्रेशन करके इसकी शुरुआत की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संजीवनी योजना के तहत 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों के इलाज का सारा खर्चा दिल्ली सरकार उठाएगी। महिला सम्मान राशि और संजीवनी योजना को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। महिला सम्मान योजना के तहत कुछ घंटों में ही ढाई लाख महिलाएं रजिस्ट्रेशन करा चुकी हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी हमने जंगपुरा विधानसभा में कुछ बुजुर्गों का रजिस्ट्रेशन किया है। आज महिला सम्मान और संजीवनी योजना का रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ है। संजीवनी योजना में जो 60 साल से ऊपर के बुजुर्ग हैं, सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में उनके पूरा इलाज का सारा खर्चा दिल्ली सरकार उठाएगी। दिल्ली में 20-25 लाख बुजुर्ग हैं। जितने लोग रजिस्ट्रेशन करेंगे, उन सभी को इसका लाभ मिलेगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों सारा इलाज मुफ्त है, लेकिन संजीवनी योजना के तहत बुजुर्ग अपना इलाज प्राइवेट अस्पतालों में भी करा पाएंगे और सारा इलाज का खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। उन्होंने कहा कि महिला सम्मान राशि और संजीवनी योजना, दोनों को लेकर लोगों का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स है। शुरू होने से कुछ ही घंटों के अंदर महिला सम्मान योजना के तहत लगभग ढाई लाख महिलाएं अपना रजिस्ट्रेशन करा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हम घर-घर जा रहे हैं। जब तक पूरी दिल्ली के सारे घर कवर नहीं कर लेते, तब तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चलती रहेगी। यह दोनों योजनाएं लोगों की जिंदगी में गेम चेंजर साबित होंगी।

अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जंगपुरा विधानसभा से संजीवनी योजना के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत की। सीएम आतिशी और मनीष के साथ यहाँ कुछ बुज़ुर्गों का इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन किया। दिल्ली के सभी बुजुर्ग मेरे माता-पिता समान हैं, उनका इलाज हमारी ज़िम्मेदारी है। हमारी टीम सभी बुजुर्गों का घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करेगी।

वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जिस तरह से लोगों की जिंदगी में बदलाव लाने के बारे में सोचते हैं, वहीं उनकी राजनीति है और वही उनका सरकार में आने का मकसद है। कोई भी व्यक्ति पूरी जिंदगी करोड़ों रुपए के टैक्स देता है। करोड़ों रुपए टैक्स देने के बाद जैसे ही वह 60 साल का होता है, वह प्राइवेट कंपनी से रिटायर हो जाए, सरकारी नौकरी से रिटायर हो जाए या अपना बिजनेस बच्चों को देकर घर पर बैठे कि अब मैं 60 साल का हो गया हूं। तो उसके सामने सबसे बड़ा संकट यही रहता है कि मेरा इलाज कहां से होगा? उसको कोई पूछता ही नहीं है। अभी तक तो वह सरकारों को करोड़ों रुपए का टैक्स दे रहा था। लेकिन आज 2-4 लाख रूपये के इलाज के लिए भी लोगों को तरसना पड़ता है। अरविंद केजरीवाल का मानना है कि हमें लोगों की जिंदगी में यही आसानी लानी है। इसलिए हम यह संजीवनी स्कीम लेकर आए हैं। और मुझे खुशी है कि आज जंगपुरा विधानसभा से वह इसका रजिस्ट्रेशन लॉन्च करने के लिए आए। लोगों में इसे लेकर बहुत उत्साह है। हमारे कार्यकर्ता हर विधानसभा में इसके रजिस्ट्रेशन के लिए लगे हुए हैं।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन 24 दिसंबर को दिल्ली मे होने वाले इलेक्शन का बहिष्कार करने को लेकर करेगी अहम बैठक

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन 24 दिसंबर को अपनी लंबित मांगो को लगातार दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अनसुना करने के खिलाफ दिल्ली मे होने वाले इलेक्शन का बहिष्कार करने की चेतावनी देने के लिए एक बड़ी मीटिंग 24 दिसंबर 2024 को 1 बजे गाँधी पीस फाउंडेशन मे रखी है.

जहाँ ऑटो टैक्सी बस वाले मीटिंग के बाद फैसला लेंगे की आगामी चुनाव का बहिष्कार किया जाये या सरकार को थोड़ा समय और दिया जाए अपनी मांगो को पूरा करने के लिए???

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की सरकार और उनकी संस्थाएं ऑटो -टैक्सी- बसों वालो पर लगातार अत्याचार कर रहीं है. इनकी दमनकारी भृष्ट नीतियों ने ऑटो - टैक्सी- बस वालो का आर्थिक और मानसिक शोषण लगातार हों रहा है.हमारी ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन भी लगातार इनकी दमनकारी नीतियों का लगातार धरने प्रदर्शन करके विरोध करती रही हैं.

हमारी पुरानी लंबित मांगे :-

1:- आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की डीजल टैक्सी -LMV BS 4 को किसी भी ग्रेप मे बंद ना किया जाए, क्योंकी इन गाड़ियों से हमारी रोजी रोटी चलती है

2:- झूली झूली फिटनेस सेंटर पर फिटनेस की अपॉइंटमेंट बहुत देर से मिल रही हैं. ज्यादातर कमर्सयल गाड़ियों को झुल झुली भेज दिया गया हैं. इन सारी गाड़ियों को वापिस बुराड़ी फिटनेस सेंटर भेजा जाए.

3:- पेनिक बटन के नाम पर हजारों रुपए दोबारा लिए जा रहे हैं बल्कि पेनिक बटन की वजह से दिल्ली मे इन्नोवा गाड़ियाँ भी रजिस्टर्ड नहीं हो रही हैं. इसको अब व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस के नाम से ये पुरानी गाड़ियों मे लगा रहें है. इस पेनिक बटन के नाम से करोडो रुपये का भ्ष्टाचार हों चूका है. इसको तुरन्त हटाया जाना चाहिए.

4:- AITP टैक्सी बसों में स्पीड लिमिट डिवाइस (स्पीड गवर्नर)लगाया हुआ हैं. इसको तुरन्त हटाया जाए

5:- CNG के दाम कम किये जाए.

6:- डीजल पेट्रोल को GST के दायरे में लाया जाए.

7:- MCD टोल टैक्सी दिल्ली में पंजीकृत कमर्सयल गाड़ियों से हटाया जाए.

8:- नाजायज रेपिड़ो बाइक टैक्सी को बंद किया जाए.

9:- दिल्ली सरकार ऑटो टैक्सीयों के लिए अपना ऐप बनाये.

10:- सारे ड्राइवर्स की जान -माल सुरक्षा की गारंटी और उनका जीवन और हेल्थ इन्शुरन्स भी सरकार की तरफ से हों.

आप सब प्रेस /मीडिआ रिपोर्टर्स से विनती है की 24 दिसंबर समय 1 बजे गाँधी पीस फाउंडेशन दीन दयाल उपाध्य मार्ग आई टी ओ पर किसी प्रेस /मीडिआ रिपोर्टर को भेजे वहीँ पर हम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताएँगे की चुनाव का बहिष्कारकब और क्यों किया जायेगा ???

भारत का एक पड़ोसी मुल्क, जहां बड़ी तादाद में मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन मस्जिद एक भी नहीं!

विश्व में भारत एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में अनोखी मिसाल है,जो सर्वधर्म समभाव की भावना से परिचालित है – एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत की एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में प्रतिष्ठा है, जहां सर्वधर्म समभाव परिचालित होता है, जो पूरी दुनियाँ में जहां एक धर्म, मजहब, ग्रुप के रूप में संगठित होकर बात हुआ है जैसे 57 देश का इस्लामिक सहयोग संगठन, 25 से अधिक देशों का संभावित इस्लामिक नाटो संगठन पश्चिमी देशों का नाटो, 55 देशों का अफ्रीकी संघ इत्यादि समूह हैं। कुछ कट्टर इस्लामिक देशों को छोड़ दें तो करीब करीब हर देश में अनेक धर्म के लोग रहते हैं, वहां उन्होंने उनकी आस्था के अनुसार मंदिर मस्जिद चर्च बनाने की अनुमति है, परंतु हैरानी वाली बात है कि भारत के बिल्कुल पड़ोसी देश सहित कुल आठ ऐसे देश हैं जहां अच्छी खासी मुस्लिम आबादी होने के बावजूद वहां एक भी मस्जिद नहीं है, यानें बनाने की अनुमति नहींहै जिसके कारण वे अपने-अपने घरों व अन्य स्थानों पर नमाज अदा करते हैं, वे देश हैं, भूटान वेटिकन सिटी, उरुग्वे,मोरको, सानवेरिनो एस्टोनिया स्लोवाकिया, साओ टांक एंड प्रिपी में मस्जिद बनाने पर बैन है। चूँकि इसमें भारत के बिल्कुल पढ़ोसी मुल्क भूटान भी शामिल है, जिसको भारतीय सीमा में स्थित जयगांव में 2008 में मस्जिद बनाने की अनुमति दी गई है जहां मौके पर नमाज़ पढ़ने आते हैं। बता दें,भूटान की कुल आबादी 7.5 लाख के आसपास है। 84.3 फीसदी आबादी बौद्ध धर्म मानने वालों की है। वहां बौद्ध मंदिर और मठ काफी हैं। दूसरे नंबर पर वहां हिंदू आबादी है जो 11.3 फीसदी हैं। उनके मंदिर और धर्म स्थल हैं। कुछ साल पहले खुद भूटान के राजा ने थिंफू में काफी शानदार हिंदू मंदिर का निर्माण किया है। भूटान में मुस्लिम आबादी करीब 01 फीसदी है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत का पड़ोसी मुल्क जहां बड़ी तादाद में मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन मस्जिद एक भी नहीं है, तथा विश्व में भारत एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में अनोखी मिसाल है, जो सर्वधर्म समभाव की भावना से परिचालित है। स्पष्ट बता दें,गुगल के विभिन्न स्रोतों व सुत्रों से प्राप्त जानकारी जुटाने पर यह पाया गया है,जो केवल प्राप्त जानकारी आधारित सुचना मात्र है। सटीकता का प्रमाण नहीं है, सही और ग़लत होने की पुष्टि वहां के नागरिक उचित टिप्पणी द्वारा कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोसी मुल्क भूटान में एक भी मस्जिद नहीं होने की करें तो, दुनियाँ के लगभग हर देश में नागरिकों को अपनी इच्छानुसार धर्म मानने और धार्मिक स्थल बनाने की इजाजत है, यही वजह है कि जिस देश में जिस धर्म-संप्रदाय के लोग रहते हैं, वहां उनका प्रार्थना स्थल भी होता है, लेकिन भूटान एक ऐसा अनूठा देश है, जहां इस्लाम धर्मावलंबी तो रहते हैं लेकिन एक भी मस्जिद नहीं है।भारत में मुसलमान दूसरी सबसे बड़ी आबादी हैं, वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस्लाम धर्म को मानने वालों की आबादी सबसे ज्यादा है, लेकिन भारत का ही एक पड़ोसी देश ऐसा भी है, जहां मुसलमान तो हैं,लेकिन वहां एक भी मस्जिद नहीं है।उस देश में हिंदू भी रहते हैं और हिंदुओं के लिए मंदिर भी हैं। लेकिन इस्लाम धर्म को मानने वालों के लिए वहां एक भी मस्जिद नहीं है।दरअसल, भूटान में मुस्लिमों को अपनी इबादत गाह या मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं है. मस्जिद ना होने के कारण भूटानी मुस्लिम अपने घर पर ही नमाज अदा करते हैं।भारत के इस पड़ोसी देश के मुसलमानों ने साल 2008 में भारत सीमा पर स्थित जयगांव में एक मस्जिद बनवाई थी,खास मौकों पर ये मुस्लिम इसी मस्जिद में जाकर नमाज शिदत्त से पढ़ने जाते हैं।

साथियों बात अगर हम धर्म व पंथ निरपेक्ष भारत में हर सिटी में मस्जिद होने की करें तो,भारत में ऐसा कोई स्थान खोज पाना मुश्किल है जहाँ एक भी मस्जिद न हो। भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है जिसमें विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का समावेश है। हालांकि, कुछ छोटे और दूरदराज के गाँव या क्षेत्र हो सकते हैं जहाँ मुस्लिम जनसंख्या न होने के कारण मस्जिद न हो। लेकिन ऐसा कोई व्यापक और प्रसिद्ध स्थान नहीं है जो इस श्रेणी में आता हो। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत का संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, और किसी भी समुदाय को उनके धार्मिक स्थल बनाने से रोका नहीं जा सकता। धार्मिक संरचनाओं की उपस्थिति आमतौर पर उस क्षेत्र की जनसंख्या संरचना पर निर्भर करती है।यदि कोई स्थान विशेष रूप से उल्लेखनीय है जहाँ मस्जिद नहीं है, तो यह संभवतः उस क्षेत्र की जनसांख्यिकीय संरचना, सांस्कृतिक परंपराओं, या इतिहास के कारण हो सकता है। फिर भी, यह कोई सामान्य या व्यापक तथ्य नहीं है।

साथियों बात अगर हम भूटान में मंदिर होने और चर्च नहीं होने की करें तो, एक तरफ जहां, भूटान में मस्जिद और चर्च नहीं है, वहीं वहां हिंदू मंदिर कई हैं,इनमें से सबसे विशाल हिंदू मंदिर भूटान की राजधानी थिंफू में बना है। इस मंदिर में हिंदू देवी देवताओं की कई मूर्तियां हैं।यहां देश भर के हिंदू आते हैं और पूजा पाठ करते हैं। भूटान 7 वीं सदी तक भारत के कूचबिहार राजवंश का हिस्सा था इसके बाद यह आजाद होकर बौद्ध धर्म में तब्दील हुआ है। कई बार जब यूरोप या फिर अन्य किसी देश से कोई मुस्लिम या ईसाई धर्म का व्यक्ति भूटान घूमने आता है तो उसे इबादत के लिए यहां कोई मस्जिद या चर्च नहीं मिलता हालांकि, अगर आधिकारिक तौर पर देखें तो बमथांग में एक छोटा सा प्रार्थना कक्ष जरूर बनाया गया है,जिसमें तीन कमरे बने हैं, इन तीन अलग अलग कमरों में मुस्लिम, सिक्ख और ईसाई धर्म को मानने वाले लोग आकर प्रार्थना कर सकते हैं।

साथियों बात कर हम भारत में धर्म व पंथ निरपेक्षता की करें तो, धर्मनिरपेक्ष शब्द, भारतीय संविधान की प्रस्तावना में बयालीसवें संशोधन (1976) द्वारा डाला गया था। भारत का इसलिए एक आधिकारिक राज्य धर्म नहीं है। हर व्यक्ति को उपदेश, अभ्यास और किसी भी धर्म के चुनाव प्रचार करने का अधिकार है। सरकार के पक्ष में या किसी भी धर्म के खिलाफ भेदभाव नहीं करना चाहिए। यह बराबर सम्मान के साथ सभी धर्मों का सम्मान करना होगा। सभी नागरिकों, चाहे उनकी धार्मिक मान्यताओं के लिए कानून के सामने बराबर हैं। कोई धार्मिक अनुदेश सरकार या सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में दिया जाता है। फिर भी, सभी स्थापित दुनिया के धर्मों के बारे में सामान्य जानकारी समाजशास्त्र में पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में दिया जाता है, किसी भी एक धर्म या दूसरों को कोई महत्व देने के बिना। मौलिक मान्यताओं, सामाजिक मूल्यों और मुख्य प्रथाओं और प्रत्येक स्थापित दुनिया धर्मों के त्योहारों के संबंध के साथ सामग्री / बुनियादी मौलिक जानकारी प्रस्तुत करता है। एसआर बोम्मई बनाम भारतीय संघ में भारत के सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के मूल ढांचे का एक अभिन्न हिस्सा है कि धर्मनिरपेक्षता था।

साथियों बात अगर हम भारतीय और पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता को समझने की करें तो, कभी-कभी यह कहा जाता है कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता की नकल भर है। लेकिन संविधान को ध्यान से पढ़ने से पता चलता है कि ऐसा नहीं है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता से बुनियादी रूप से भिन्न है। जिसका जिक्र निम्न बिंदुओं के अंतर्गत किया जा सकता है-पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता जहाँ धर्म एवं राज्य के बीच पूर्णतः संबंध विच्छेद पर आधारित है, वहीं भारतीय संदर्भ में यह अंतर-धार्मिक समानता पर आधारित है। पश्चिम में धर्म निरपेक्षता का पूर्णतः नकारात्मक एवं अलगाववादी स्वरूप दृष्टिगोचर होता है, वहीं भारत में यह समग्र रूप से सभी धर्मों का सम्मान करने की संवैधानिक मान्यता पर आधारित है।गौरतलब है कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता ने अंतःधार्मिक और अंतर- धार्मिक वर्चस्व पर एक साथ ध्यान केंद्रित किया है। इसने हिंदुओं के अंदर दलितों और महिलाओं के उत्पीड़न और भारतीय मुसलमानों अथवा ईसाइयों के अंदर महिलाओं के प्रति भेदभाव तथा बहुसंख्यक समुदाय द्वारा अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के अधिकारों पर उत्पन्न किये जा सकने वाले खतरों का विरोध किया है, जो इसे पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता की अवधारणासे भिन्न बनाती है।यदि पश्चिम में कोई धार्मिक संस्था किसी समुदाय या महिला के लिये कोई निर्देश देती है तो सरकार और न्यायालय उस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं। जबकि भारत में मंदिरों, मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश जैसे मुद्दों पर राज्य और न्यायालय दखल दे सकते हैं।जिसमें किभारतीय धर्मनिरपेक्षता में राज्य समर्थित धार्मिक सुधार की गुंजाइश भी होती है और अनुकूलता भी, जो पश्चिम में देखने को नहीं मिलती है। उदाहरण के लिये भारतीय संविधान ने अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाया है, वहीं सरकार ने बाल विवाह के उन्मूलन हेतु अनेक कानून भी बनाए हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का एक पड़ोसी मुल्क, जहां बड़ी तादाद में मुस्लिम तो रहते हैं लेकिन मस्जिद एक भी नहीं !भारतीय सीमा पर स्थित जयगांव में 2008 में मस्जिद बनाई गई, जहां मौके पर एक देश के वासी नमाज़ पढ़ने आते हैं !विश्व में भारत एक धर्म व पंथ निरपेक्ष देश के रूप में अनोखी मिसाल है, जो सर्वधर्म समभाव की भावना से परिचालित है।

'चालान नहीं होगा... मिठाई लेकर आओ', वायरल वीडियो से खुली पोल; गाज गिरी तो निकल गई वर्दी की हनक

ग्रेटर नोएडा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक यातायात पुलिसकर्मी को इसलिए निलंबित कर दिया गया क्योंकि उन्होंने चालान का डर दिखाकर एक युवक से मिठाई मंगवाई थी। इस मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल वायरल होने के बाद ही निलंबित करने की कार्रवाई हुई है। आगे विस्तार से जानिए पूरा मामला क्या है।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में परी चौक पर तैनात यातायात पुलिसकर्मी को पुलिस उपायुक्त लखन सिंह यादव ने निलंबित कर दिया है। मिठाई मंगवाने के मामले की जांच एसीपी मुख्यालय यातायात को दी है।

परीचौक का बताया गया वीडियो

निलंबित यातायात पुलिसकर्मी की पहचान आरक्षी महबूब अली के रूप में हुई है। ज्ञात हो कि सोशल मीडिया पर एक मिनट 27 सेकेंड का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक यातायात पुलिसकर्मी दो युवकों से बात करता नजर आ रहा है। यह वीडियो परीचौक का बताया गया।

चालान का भय दिखाकर मंगवाई मिठाई

आरोप है कि कार सवार को चालान की कार्रवाई का भय दिखाकर मिठाई मंगवाई गई। वीडियो में युवक मिठाई लाते हुए भी दिख रहा है। हालांकि, वीडियो बीच-बीच में रोक-रोककर बनाई गई है। यह वीडियो वायरल होने के बाद सिपाही को निलंबित कर दिया गया।

स्टंटबाजी करना पड़ा महंगा, 40 बाइक का काटा चालान

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर पुलिस ने रविवार को अभियान चलाकर मोटरसाइकिल से स्टंटबाजी करने वाले 40 लोगों को दबोचा और मोटरसाइकिल के चालान कर दिए।

यमुना एक्सप्रेसवे पर स्टंट करते हैं बाइकर्स

एडीसीपी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि दिल्ली के कुछ बाइकर्स नोएडा-ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे पर स्टंट करते हैं। मोटरसाइकिल को लापरवाही से चलाते हुए हुड़दंग मचाते हैं।

पुलिस द्वारा चलाया गया अभियान

सूचना पर एसीपी प्रथम ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में बीटा कोतवाली व नालेज पार्क कोतवाली क्षेत्र के साथ-साथ यातायात पुलिसकर्मियों की टीम गठित कर अभियान चलाया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर आठ बाइकर्स के कटे चालान

जेवर में कोतवाली पुलिस ने शिकायत के आधार पर रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भर रहे आठ वाहन चालकों का चालान काटा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रत्येक रविवार को स्पोर्ट्स बाइकर्स फर्राटा भरते हैं। इससे अन्य वाहन चालक व राहगीर परेशान होते थे।

आठ स्पोर्ट्स बाइक राइडर्स के काटे चालान

शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान आगरा से नोएडा की ओर जा रहे आठ स्पोर्ट्स बाइक राइडर्स को जेवर टोल प्लाजा के पास खतरनाक तरीके से फर्राटा भरते पाया गया। सभी के चालान काट दिए गए।

सीज करने की कार्रवाई की दी चेतावनी

इसके साथ ही दोबारा फर्राटा भरने पर वाहन सीज करने की कार्रवाई की चेतावनी दी। बताया अगले रविवार को भी अभियान चलाया जाएगा।

नोएडा और गाजियाबाद में हरित क्षेत्र के आंकड़ों पर आईएसएफआर 2023 रिपोर्ट से उत्पन्न भ्रम

परिवहन विशेष न्यूज

भारत राज्य वन रिपोर्ट (ISFR) 2023 ने नोएडा और गाजियाबाद के हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) के आंकड़ों में असंगतियों के कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है। रिपोर्ट में इन जिलों के भौगोलिक क्षेत्रों में बदलाव और हरित क्षेत्र के प्रतिशत में उतार-चढ़ाव ने अधिकारियों और पर्यावरणविदों के बीच सवाल खड़े कर दिए हैं।

नोएडा: क्षेत्रफल वृद्धि के बावजूद हरित क्षेत्र में गिरावट का दावा

ISFR 2023 के अनुसार, नोएडा का भौगोलिक क्षेत्र 1,282 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 1,441.8 वर्ग किलोमीटर हो गया है। हालांकि, हरित क्षेत्र 20 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 22 वर्ग किलोमीटर होने के बावजूद, रिपोर्ट में हरित क्षेत्र के प्रतिशत में 0.05% की गिरावट दर्ज की गई है। इस पर जिला वन अधिकारी प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्रफल बढ़ने के बावजूद हरित क्षेत्र में 0.02% की वृद्धि हुई है और वे इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगेंगे।

गाजियाबाद: क्षेत्रफल में कमी और हरित क्षेत्र के आंकड़ों में विसंगति

गाजियाबाद के मामले में, 2021 की रिपोर्ट में भौगोलिक क्षेत्र 1,179 वर्ग किलोमीटर था, जो 2023 में घटकर 891.6 वर्ग किलोमीटर हो गया है। साथ ही, हरित क्षेत्र 25.2 वर्ग किलोमीटर से घटकर 21 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इसके बावजूद, रिपोर्ट में हरित क्षेत्र के प्रतिशत में 0.05% की वृद्धि दिखाई गई है। उत्तर प्रदेश वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन निष्कर्षों को भ्रमित करने वाला बताया और संकेत दिया कि भौगोलिक क्षेत्र के निर्धारण में भारतीय सर्वेक्षण (SoI) के डेटा के उपयोग से ये असंगतियां उत्पन्न हुई हैं।

पर्यावरणविदों की चिंताएं और पेड़ों की कटाई

पर्यावरण कार्यकर्ता सुशील राघव ने रिपोर्ट के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि हरित क्षेत्र में कमी आई है, तो प्रतिशत में वृद्धि कैसे संभव है। उन्होंने आंकड़ों में हेरफेर का आरोप लगाया और कहा कि नामकरण में बदलाव के कारण यह भ्रम उत्पन्न हो सकता है। गाजियाबाद में पिछले 15 वर्षों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए हजारों पेड़ काटे गए हैं, जिससे हरित क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

भविष्य की दिशा और आवश्यक स्पष्टीकरण

इन असंगतियों के मद्देनजर, वन विभाग और पर्यावरणविदों के बीच रिपोर्ट की सटीकता पर संदेह बना हुआ है। आगे की जांच और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है ताकि हरित क्षेत्र की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और पर्यावरण संरक्षण के लिए उचित कदम उठाए जा सकें।

न्यू ईयर पर पार्टी करने वाले सावधान, भूलकर भी न करें ये गलतियां; वरना जश्न का मजा हो जाएगा खराब

परिवहन विशेष न्यूज

क्रिसमस और न्यू ईयर के जश्न के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर नोएडा पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। सात संयुक्त टीमें गठित की गई हैं जो पूरे जिले में भ्रमण कर रही हैं। क्रिसमस और नए साल पर और भी सतर्कता बरती जाएगी। गैर प्रांतों की अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए भी विशेष तैयारी की गई है।

नोएडा। क्रिसमस और नए वर्ष के आगमन को अब चंद दिन बाकी हैं। इनके जश्न में लोग पार्टी आदि करते हैं। इस दौरान साथियों के साथ जमकर जाम छलकाते हैं। कुछ लोग नियमों को ताक पर रखकर सार्वजनिक स्थानों पर भी शराब पीने से गुरेज नहीं करते और जमकर शोर शराबा करते हैं। इससे आसपास के लोग परेशान होते हैं।

आबकारी विभाग ने पूर्व में हुए इस तरह के प्रकरणों से सबक लिया है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर कार्रवाई की तैयारी कर ली है। इसके साथ ही अवैध शराब की बिक्री करने वालों पर भी कार्रवाई की योजना है।

क्रिसमस व नए वर्ष पर शराब की दुकानें एक घंटे अधिक समय तक खुलेंगी। क्रिसमस नए वर्ष पर नियमों को ताक पर रखने वालों से निपटने की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ संवाददाता गजेंद्र पांडेय ने जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार से विस्तार से बातचीत की। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश।

आए दिन लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर नियमों को ताक पर रखकर शराब पीने के मामले सामने आते रहते हैं। क्रिसमस व नए वर्ष पर लोग घरों के बाहर जश्न मनाने निकलते हैं। ऐसे में इस बार सार्वजनिक स्थानों पर लोग शराब पीने वालों से निपटने के लिए विभाग की क्या तैयारियां हैं?

आबकारी विभाग सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ पूरे वर्ष अभियान चलाकर कार्रवाई करता है। फिलहाल क्रिसमस और नए वर्ष पर सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर कार्रवाई की मुकम्मल तैयारियां कर ली हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर पुलिस और आबकारी विभाग की सात संयुक्त टीमों का गठन किया है।

यह टीमें जिलेभर में अपने-अपने क्षेत्रों में अभी से भ्रमण कर रही हैं। क्रिसमस और नए वर्ष पर अधिक सतर्कता बरती जाएगी। टीमें रात भर गश्त करेंगी। जो कोई सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते मिलेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और आबकारी विभाग ने पिछले कुछ माह में हरियाणा समेत गैर प्रांतों की अवैध शराब जब्त की है। तस्करी करने वालों को भी गिरफ्तार किया गया है।

क्रिसमस व नए वर्ष में डिमांड बढ़ने की संभावना है। ऐसे में गैर प्रांतों की अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए कोई तैयारी है क्या?

आबकारी और पुलिस टीमों ने अभी से जिले के बार्डर पर वाहन चेकिंग अभियान चालू कर दिया गया है। गैर प्रांतों से जिले में तस्करी की जाने वाली शराब की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही टीमें शराब के अवैध अड्डों, बार्डर के इलाकों पर मुस्तैद हैं। इस पर भी नजर रखी जा रही है कि कहीं पर अवैध शराब तो नहीं पी जा रही है। क्रिसमस और नए वर्ष पर और अधिक सख्ती बरती जाएगी।

सेक्टर और सोसायटियों में अवैध शराब पीने वालों और पार्क आदि में शराब पार्टी की रोकथाम के लिए क्या तैयारियां हैं, ऐसे लोगों से किस तरह निपटा जाएगा?

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व और जिला आबकारी अधिकारी की अध्यक्षता में पिछले दिनों सोसायटियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई थी। इसमें सोसायटी के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि क्रिसमस और नव वर्ष पर शराब पार्टियां आयोजित करनी हैं तो आबकारी विभाग से एक दिन का आकेजनल बार लाइसेंस लेना होगा। आवेदन ऑनलाइन किया जा सकता है। लाइसेंस के लिए 11 हजार रुपये फीस जमा करनी होगी।

अक्सर शादी, उत्सव व अन्य आयोजनों में होटल, रेस्टोरेंट, फार्म हाउस में पार्टियों में जमकर शराब पी जाती है। जबकि यह नियम विरुद्ध है, विभाग जानकर भी अनजान बना रहता है, इसकी रोकथाम किस तरह करेंगे?

ऐसे आयोजनों में बिना अनुमति शराब पार्टियों पर रोक लगाने के लिए 16 दिसंबर को जिलाधिकारी के अध्यक्षता में नार्को कोआर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित समिति की बैठक हुई थी। इसमें तय किया गया था कि उत्सवों, क्लब, सोसायटी क्लब, रिजार्ट, फार्म हाउस, मैरिज हाल में शराब परोसने के लिए आबकारी विभाग से अनुमति लेनी अनिवार्य होगी।

कई बार पार्टियों में विवाद और मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे आयोजनों में बिना अनुमति शराब परोसने वालों को किस तरह रोकेंगे और क्या कार्रवाई करेंगे?

उत्सवों, क्लबों व सोसायटियों में विभाग की अनुमति के बिना शराब परोसने वालों पर नजर रखने के लिए जिला स्तर पर टीमों को गठन किया गया है। यह टीमें ऐसे आयोजनों में पहुंच कर औचक निरीक्षण करेंगी। यह तय करेंगी कि शराब पार्टी की अनुमति है या नहीं और परोसी जा रही शराब गैर प्रांत की प्रतिबंधित तो नहीं है।

क्रिसमस और नव वर्ष पर दुकानों के देसी व विदेशी शराब की दुकानें और माडल शाप के खुलने व बंद होने के समय में कोई बदलाव किया जाएगा क्या?

क्रिसमस और नव वर्ष पर देसी व विदेशी दुकानों और माडल शाप के बंद होने को लेकर एक घंटे समय बढ़ाया गया है। हालांकि अभी तक शराब की दुकानें बंद होने का समय रात 10 बजे निर्धारित था। फिलहाल क्रिसमस पर 24 दिसंबर और 25 दिसंबर को व नव वर्ष पर 31 दिसंबर को रात 10 के बजाय 11 बजे तक शराब की सभी दुकानें खुलेंगी।

मशीन से भावनात्मक जुड़ाव के खतरे

विजय गर्ग

हाल में अमेरिका के फ्लोरिडा में एक किशोर ने खुदकुशी कर ली। कहा गया कि वह कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात एआइ) के 'मोह' में डूबा था। इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बच्चे की मां का कहना है कि एआइ ने उनके बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाया। उन्होंने एआइ कंपनी के खिलाफ आरलैंडो की संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। इसमें मां ने दावा किया है कि एआइ ने उनके बेटे को 'यौन केंद्रित और यथार्थवादी बातचीत' का अनुभव कराया, जिसके परिणामस्वरूप उसे चैटबाट से गहरा लगाव हो गया।

इस घटना से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) के एक मनोवैज्ञानिक अनुसंधानकर्ता शेरी तुर्कले की पांच महीने पहले। दी गई चेतावनी याद आई। । उन्होंने कहा था कि इंसानों को एआइ के साथ लगाव से बचना चाहिए। । तुर्कले ने इंसान और 'एआइ चैटबाट' के बीच भावनात्मक संबंध पर अपने शोध में में कहा था कि एआइ सिर्फ दिखावा करता है और वह आपकी परवाह नहीं करता। तुर्कले ने यह चेतावनी कई कारणों से दी थी, जो एआइ के साथ गहरे भावनात्मक संबंध स्थापित करने से उत्पन्न हो सकती है। हा है। अब चौदह वर्ष के एक लड़के के आत्महत्या कर लेने की घटना काफी कुछ पर मजबूर 'करती है।

एआइ को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। जहां एआई के लाभ 4 गिनाए जा रहे हैं, वहीं अंदेशा जताया जा रहा जताया जा रहा है कि यह लोगों को बेरोजगार कर देगा। इसी के -साथ यह आशंका भी उठ रही । इसी के साथ-भी उठ रही है कि एआई लोगों को भ्रम जाल में फंसा रहा है। इससे बचने के उपाय किए जाने चाहिए। यहां खुदकुशी करने वाले बच्चे की मा की मां के दावे पर गौर किया जाना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा है कि कंपनी ने अपने चैटबाट को एक वास्तविक व्यक्ति, एक लाइसेंस प्राप्त मनोचिकित्सक और एक वयस्क प्रेमी या प्रेमिका के रूप में डिजाइन किया। बच्चे ने ने चैटबाट के साथ एक मजबूत भावनात्मक संबंध बना लिए। मुकदमे में मां ने दावा किया है कि उसका बेटा चैटबाट से 'प्यार' करता था और उसके साथ यौन क्रिया-कलाप संबंधी संवाद करता था। बच्चे ने कई बार चैटबाट को ने अपने आत्मघाती विचारों से से भी 'अवगत कराया।

इस घटना ने उन आशंकाओं को बल प्रदान किया है, जो एआइ के बारे में व्यक्त की जा रही हैं। संजीदा लोग इस घटना से चिंतित हैं और उनमें इस पर व्यापक विमर्श चल रहा है। यह संवेदनशील मुद्दा है। कई बार अकेलेपन या भावनात्मक जरूरतों के कारण लोग एआइ को एक साथी की तरह देखना शुरू कर देते हैं। इसका एक

कारण यह भी है कि 'एआइ चैटबाट' स्वाभाविक और सहायक बातचीत करने के लिए डिजाइन किया गया गया है, जिससे लोग उनके साथ सहज महसूस कर सकते हैं। हालांकि, यह एकतरफा और गैर-मानवीय संबंध होता है, क्योंकि एआई भावनाओं को महसूस नहीं कर सकता।

विश्व में इस विषय पर शोध हो रहा है, नैतिक बहस भी चल रही है कि इस तरह संबंध लोगों की मानसिक स्थिति पर क्या प्रभाव डाल सकते हैं। मगर सवाल उठता है कि इस स्थिति के लिए लोग दोषी हैं या एआइ तकनीक ? यकीनन, एआइ तकनीक क्रांतिकारी है। इसकी बदौलत बहुत कुछ सरल होने लगा है। घंटों के काम चुटकी बजाते होने लगे हैं, लेकिन क्या एआइ के साथ भावनात्मक जुड़ाव और उसे वास्तविक संबंध समझने वाले लोगों को जागरूक करना जरूरी नहीं है? कई लोगों का अपनी भावनात्मक जरूरतों के कारण तकनीक के साथ असामान्य रूप से जुड़ जाना संभव है। अगर उनका मानसिक स्वास्थ्य कमजोर हो, तो एआइ की वास्तविक साथी समझने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। जानकारों का कहना है कि कुछ लोग एआइ को ऐसे तरीकों से इस्तेमाल करते हैं, जिसके लिए वह डिजाइन नहीं किया गया है। यह गलतफहमी या अत्यधिक निर्भरता कई जटिलताओं को को जन्म दे सकती है। वर्तमान में लोग व्यस्त हो गए हैं और अलग-थलग पड़े हुए हैं। सोशल मीडिया के कारण लोग पहले ही स्वयं को वास्तविक रिश्तों की स्वयं की रिश्तों की तुलना में । में आभासी दुनिया में अधिक आरामदायक महसूस कर रहे हैं। ऐसे में इंसान सा व्यवहार करने वाला एआइ लोगों को और अलग-थलग कर देगा। लिहाजा, इस खतरे से आंखें मूंद लेने को समझदारी नहीं कहा जा सकता है।

वर्तमान में अकेलापन बढ़ने से लोगों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। विश्व में एक बड़ी आबादी अकेलेपन का शिकार हो चुकी है। इसकी वजह से बहुत से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम सामने आए हैं, जिनको ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) भी अकेलेपन को एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य खतरे के रूप में वर्गीकृत कर चुका है। वर्ष 2022 में जारी एक अन्य अध्ययन रपट के अनुसार भारतीय युवाओं में अकेलेपन की बढ़ती समस्या चिंताजनक है। पैंतालीस वर्ष की उम्र के करीब 20.5 फीसद वयस्क अकेलेपन के शिकार हैं, जिससे उनमें विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। अकेलेपन के शिकार लोग अपनी व्यथा सुनाने के लिए एआइ की ओर बढ़ रहे हैं क्योंकि एआइ से उन्हें किसी इंसान से बात करने जैसा ही अहसास होता x है। यही कारण दुनिया से से जुड़ाव बढ़ रहा है, लेकिन वास्तविक दुनिया से वे दूर होते जा रहे हैं।

कि उनका आभ मानसिक बीमारियां पहले ही विश्व भर ही विश्व भर में बड़ी समस्या बनी हुई हैं। एआइ के कारण भविष्य में लोगों का मानसिक स्वास्थ्य और अधिक प्रभावित होने का अंदेशा है। का अंदेशा है। मगर सवाल है कि इस खतरे से निपटा कैसे जाए? अब जरूरी है कि विशेष रूप से अभियान चला कर एआइ से जुड़े खतरों के बारे में लोगों को आगाह किया जाए। जब तक सचेत नहीं किया जाएगा, लोग एआइ का समझदारी से उपयोग करना जरूरी नहीं समझेंगे। इसके साथ-साथ एआइ निर्माताओं के लिए तकनीक के उपयोग की सीमाएं स्पष्ट करना भी अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। निर्माताओं के लिए यह जरूरी हो कि वे एआइ को इस तरह डिजाइन करें, जिससे उससे जुड़ने वाले लोग अस्वस्थ स्थिति में पहुंचने से बच सकें। लोग भावनात्मक रूप भावनात्मक समस्याओं का हल तकनीक में नहीं, बल्कि इंसानी रिश्तों और मदद में है, लोगों को को यह बात समझानी होगी। सरकारों को ऐसे संवदेनशील मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए और एआइ के उपयोग के लिए नीति बना कर दिशा-निर्देश तैयार करना चाहिए। इसके लिए अभी समय है, क्योंकि फिलहाल, एक बड़े वर्ग की एआइ तक अब पहुंच नहीं बन पाई है। मगर अब हर हाथ में स्मार्ट फोन इसलिए वह दिन दूर र नहीं, जब प्रत्येक व्यक्ति एआइ का इस्तेमाल करने लगेगा। जब तक ऐसा हो, उससे पहले लोगों को जिम्मेदारी से तकनीक का इस्तेमाल करना सिखाना ही होगा। लोगों को बताना होगा कि एआइ एक मशीन है और इंसानों को उससे वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा वे अब तक मशीनों के साथ करते आ रहे हैं।

बाइक सवार दो बदमाशों ने की फायरिंग, डॉक्टर की कार का शीशा टूटा

गाजियाबाद में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। बदमाश हर रोज जिले में आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामले में लोनी बार्डर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने निजी क्लीनिक के सामने फायरिंग कर दी। गोली लगने से कार का शीशा टूट गया। थाना पहुंचे डॉक्टर ने अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

गाजियाबाद। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की उत्तरांचल विहार कॉलोनी में बाइक सवार दो बदमाश ने निजी क्लीनिक के सामने फायरिंग कर दी। गोली लगने से कार का शीशा टूट गया। थाना पहुंचे डॉक्टर ने अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रकाश कुमार कॉलोनी में क्लीनिक चलाते हैं डॉक्टर

उत्तरांचल विहार कॉलोनी के डॉक्टर प्रकाश कुमार कॉलोनी में ही अपना निजी क्लीनिक चलाते हैं। रविवार को वह अपनी क्लीनिक पर बैठे हुए थे। तभी एक बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और क्लीनिक के सामने गोली चला दी।

डॉक्टर ने बाहर आकर देखा तो गोली कार में लगी थी। जिससे कार का शीशा टूट गया। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है।

युवक से कार सवारों ने की मारपीट, पांच गिरफ्तार

उधर, एक अन्य मामले में शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर दो के एक युवक से कार सवार छह लोगों ने मारपीट की। पीड़ित कृष्ण कुमार शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित ने बताया कि एक कार में पांच से छह लोग घर के आसपास चक्कर लगा रहे थे।

कॉलोनी के चौकीदार ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो गाली गलौज करने लगे। वह चौकीदार के पास पहुंचे तो सभी ने उनसे मारपीट शुरू कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित युगल कुमार, राजेश कुमार, प्रत्यक्ष राणा, नमन और आदित्य हैं।

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि कार में बैठकर नशे की हालत में आपस में गाली गलौज करते हुए कॉलोनी का चक्कर लगा रहे थे। चौकीदार ने उन्हें रोककर पूछा तभी चौकीदार से झगड़ा करने लगे। कृष्ण कुमार शर्मा बीच बचाव करने पहुंचे तो उनसे मारपीट की।

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

एक अन्य मामले में ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले युवक ने भाई के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए फैक्ट्री के सामने चाट की ठेली लगाने वाले दो युवकों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

बागपत के काठा गांव में रहने वाले ओमवीर सिंह ने बताया कि मेरा ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र की एफ-सात सेक्टर ए-एक में मेरा भाई सोहन वीर फैक्ट्री में काम करता है।

पीड़ित ने बताया कि तीन दिन पूर्व मेरी फैक्ट्री के बाहर चाट की ठेली लगाने वाले सोनू व टीटू ने मेरे भाई सोहन वीर के साथ मारपीट की। ये ही नहीं आरोपित ने मेरे भाई को जान से मारने की धमकी दी। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नई बजाज चेतक 35 सीरीज तीन वेरिएंट में हुई लॉन्च, जानिए तीनों एक-दूसरे से कितनी अलग

परिवहन विशेष न्यूज

बजाज ऑटो ने 20 दिसंबर को नई New Bajaj Chetak 35 को लॉन्च किया है। इसे तीन वेरिएंट 3501 3502 और 3503 में लॉन्च किया गया है। इसमें से टॉप वेरिएंट 3501 और बेस-वेरिएंट 3503 है। आइए जानते हैं कि इन तीनों वेरिएंट में फीचर वाइज कितना अंतर है और इन तीनों में क्या समानता है।

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने साल 2024 खत्म होने से पहले भारतीय बाजार में एक और मॉडल लॉन्च किया है। कंपनी ने इस बार चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर लेकर आई है, जिसे Baja Chetak 35 सीरीज कहा जा रहा है। इसे तीन अलग-अलग वेरिएंट में लेकर आया गया है, लेकिन तीनों में 153 किमी तक की रेंज दी गई है। आइए जानते हैं कि इन लीनों में क्या अलग-अलग फीचर्स दिए गए हैं।

Bajaj Chetak 3501

कीमत- 1.27 लाख रुपये।

चेतक 3501 पूरे चेतक लाइनअप में सबसे टॉप-स्पेक मॉडल है। यह न केवल इनमें सबसे महंगा है, बल्कि सबसे ज्यादा फीचर्स से भी लैस है। इसमें TFT टचस्क्रीन सेटअप दिया गया है। इसके साथ ही इसमें नेविगेशन, कॉल और म्यूज़िक कंट्रोल, SMS और इनकमिंग कॉल नोटिफिकेशन और स्मार्टफ़ोन कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

चेतक 3501 में फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक सेटअप दिया गया है। इसमें ऑनबोर्ड चार्जर भी दिया गया है। इसे पांच कलर ऑप्शन पिस्ता ग्रीन, ब्रुकलिन ब्लैक, हेजल नट, इंडिगो मेटैलिक ब्लू और मैट रेड में लाया गया है।

Bajaj Chetak 3502

कीमत: 1.20 लाख रुपये।

यह इस पोर्टफोलियो में दूसरा सबसे महंगा वेरिएंट है। इसमें भी फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक सेटअप दिया गया है, लेकिन इस वेरिएंट में टचस्क्रीन फीचर, डॉक्यूमेंट स्टोरेज और ऑनबोर्ड चार्जर फीचर्स को नहीं दिया गया है। इसके बजाय यह कलर TFT के साथ लाया गया है, जो सभी कनेक्टिविटी फीचर्स मिलते हैं। इसमें मैप्स के बजाय टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

बजाज ने चेतक 3502 को चार कलर ऑप्शन में लाया गया है, जो इंडिगो मेटैलिक, ब्रुकलिन ब्लैक, मैट चारकोल ग्रे, साइबर व्हाइट है।

Bajaj Chetak 3503

बजाज ने 3503 के बारे में बहुत सारी जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह Baja Chetak 35 सीरीज का बेस मॉडल है। इसके दोनों टायरो में ड्रम ब्रेक सेटअप दिया गया है। इसमें TFT नहीं दिया गया है। इसकी जगह पर बेस मॉडल में रिवर्स कलर LCD का इस्तेमाल किया गया है। चेतक 3503 में 3502 की तरह ही ऑनबोर्ड चार्जर को नहीं दिया गया है।

तीनों वेरिएंट में क्या समानता

तीनों वेरिएंट में समानता ही बात करें तो इसमें 3.5kWh की बैटरी दी गई है, जो फुल चार्ज होने के बाद करीब 153 किमी तक की रेंज देती है। वहीं, कंपनी की तरफ से दावा किया गया है कि यह 73 kmph की टॉप स्पीड से दौड़ सकती है। इन तीनों वेरिएंट में दोनों तरफ मोनोशॉक का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही, LED रोशनी, 35-लीटर अंडरसीट स्टोरेज और अन्य चेतक मॉडल की तुलना में 80mm लंबी सीट दी गई है।

साल 2025 में भारत में बनी इलेक्ट्रिक कार का दिखेगा जलवा, लॉन्च हो सकती है ये ईवी

देश की दो दिग्गज कार कंपनियां मारुति सुजुकी और हुंडई की भारत निर्मित इलेक्ट्रिक कार उतरेगी। बाजार में अगले साल चार्जिंग स्टेशनों की संख्या भी दो दोगुनी से ज्यादा होगी। किया मोटर इंडिया महिंद्रा एंड महिंद्रा की ईवी भी अगले साल लॉन्च हो सकती है। वहीं मारुति और हुंडई अपनी इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने वाली है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। वर्ष 2025 का साल भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। भारतीय कार बाजार की दो दिग्गज कंपनियां मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर की पहली भारत निर्मित दो-दो कारें अगले साल भारतीय बाजार में पेश होंगी। इसके अलावा देश की एक अन्य दिग्गज कार कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की पूरी तरह से भारतीय बाजार को ध्यान में रख कर तैयार की गई दो अन्य ई-कारें भी बाजार में उतार दी जाएगी। इसके अलावा जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया और किया मोटर्स की भी एक-एक इलेक्ट्रिक कारें भारतीय ग्राहकों को लुभाने की कोशिश करेगी। माना जा राह है कि उक्त कारों की कीमतें 20 से 40 लाख रुपये के बीच होगी।

मारुति और हुंडई की इलेक्ट्रिक कार

इन कंपनियों का कहना है कि भारतीय कार बाजार में अभी प्रीमियम वर्ग में ही कारें लांच होंगी। मारुति सुजुकी की पहली पेशकश ई-विटारा होगी जबकि हुंडई अपनी सबसे मशहूर क्रेटा का इलेक्ट्रिक रूपांतरण पेश करने जा रही है। इन दोनों उत्पादों को जनवरी, 2025 में आयोजित भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में उतारा जाएगा और संभवतः उसके तुरंत बाद ही उनकी बिक्री भी शुरू कर दी जाएगी। उल्लेखनीय बात यह है कि यह दोनों कारों को उनकी कंपनियों ने वैश्विक बाजार को ध्यान में रख कर तैयार किया है। यानी इनके जरिए वैश्विक इलेक्ट्रिक कार बाजार के मंच पर पहली बार भारतीय क्षमता का प्रदर्शन होगा। अनुमान है कि इनकी एक्स शो-रूम कीमतें 25-25 लाख रुपये के आस पास होंगी।

किआ भी ला सकती है इलेक्ट्रिक कार

इस क्रम में दक्षिण कोरियाई कार कंपनी किआ मोटर्स इंडिया की तैयारी कुछ अलग दिखती है क्योंकि इसकी भारत में 15 लाख रुपये के करीब कीमत की एक इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी है। उधर, इलेक्ट्रिक क्रेटा की रणनीति के बारे में हुंडई मोटर इंडिया के पूर्णकालिक निदेशक व सीईओ तरुण गर्ग का कहना है कि एक मजबूत व विश्वसनीय ब्रांड के साथ सुविधाजनक व आसानी से उपलब्ध चार्जिंग सुविधा मिल जाए तो यह भारतीय ईवी बाजार को काफी बढ़ावा देगा। दरअसल, वर्ष 2025 में भारत में ईवी चार्जिंग सुविधाओं में भी काफी सुधार आने के संकेत है। दिसंबर, 2024 में देश में सार्वजनिक तौर पर 25,200 के करीब चार्जिंग सुविधाएं हैं लेकिन इनकी संख्या दिसंबर, 2025 तक बढ़ कर कम से कम 69 हजार हो जाने की संभावना है। टाटा मोटर्स, स्मार्ट चार्ज ईवी, ग्लिडा जैसी कंपनियां तेजी से नये चार्जिंग स्टेशन में लगाने की तैयारी में हैं। अगले वर्ष यह भी देखा जाएगा कि शहरों के अलावा राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी ईवी के लिए चार्जिंग स्टेशन लगाने की शुरुआत हो रही है।

इस साल लॉन्च हुईं 5 धाकड़ माइलेज वाली कारें, इतनी फ्यूल एफिशिंट कि चलाने में आ जाएगा मजा!

परिवहन विशेष न्यूज

साल 2024 माइलेज देने वाली कारों के लॉन्च से भरा रहा। इस साल कई शानदार डिजाइन और बेहतरीन माइलेज देने वाली कारें भारतीय बाजार में लॉन्च हुईं। हम यहां आपको 5 ऐसी कारों के बारे में बताएंगे जिनमें सबसे ज्यादा माइलेज मिलती है।

अगर आप कार चलाते हैं तो उसकी माइलेज काफी मायने रखती है। अगर कार की माइलेज कम हो तो उसे चलाने का खर्च कई गुना बढ़ जाता है। हालांकि, साल 2024 माइलेज देने वाली कारों के लॉन्च से भरा रहा। इस साल कई शानदार डिजाइन और बेहतरीन माइलेज देने वाली कारें भारतीय बाजार में लॉन्च हुईं। अगर आप भी एक माइलेज वाली कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो हम यहां आपको 5 ऐसी कारों के बारे में बताएंगे जिनमें सबसे ज्यादा माइलेज मिलती है। आइए जानते हैं...

1. 2024 मारुति स्विफ्ट

नई मारुति स्विफ्ट को 1.2-लीटर 3 सिलेंडर इंजन में लाया गया है, जो सीएनजी संचालित भी है. यह इंजन 82पीएस की पॉवर और 112 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है. कार का इंजन 5-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस है. कंपनी नई मारुति स्विफ्ट में 25.75 किमी/ली तक की माइलेज मिलने का दावा करती है. वहीं, एक किलो सीएनजी में इसकी माइलेज 32.85 km तक क्लेम की गई है.

2. 2024 मारुति डिजायर

न्यू मारुति डिजायर में भी कंपनी ने 4 सीलेंडर के जगह 3 सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया है, जो सीएनजी ऑप्शन से लैस है. यह इंजन नई स्विफ्ट से लिया गया है, हालांकि माइलेज के आंकड़ों में अंतर है. अगर माइलेज की बात करें तो पेट्रोल में 25.71 किमी/ली और सीएनजी में 33.73 km/kg तक की माइलेज क्लेम की गई है.

3. टोयोटा अर्बन क्रूजर टेजर

टोयोटा अर्बन क्रूजर टेजर को मारुति फ्रॉन्क्स के मुकाबले में उतारा गया है. यह कार 1.2 लीटर पेट्रोल और 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ आती है. इस कार की पेट्रोल में अधिकतम माइलेज 22.8 किमी/ली और सीएनजी में 28.5 किमी/केजी बताई गई है.

4. 2024 किआ सॉनेट

नई किआ सॉनेट 1.2 लीटर NA पेट्रोल, 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन में बेची जा रही है. अगर माइलेज की बात करें तो इसका डीजल इंजन 22.3 किमी/ली की सबसे बेहतरीन माइलेज ऑफर करता है. जबकि 1.2 लीटर NA पेट्रोल इंजन पर 18.83 किमी/ली की माइलेज का दावा किया गया है.

5. न्यू होंडा अमेज

न्यू जनरेशन होंडा अमेज को 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन में 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है. इसका सीवीटी ऑटोमैटिक वेरिएंट 19.46 किमी/ली की माइलेज ऑफर करता है.

सड़क पर कील हों या कांटे, इस टायर का कुछ भी नहीं बिगड़ेगा! न हवा भरने का झंझट, न पंचर का टेंशन

दुनिया भर की टायर कंपनियां यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए नई-नई तकनीक इजात कर रहीं हैं। टायर निर्माता मिशलिन और अमेरिकी कार निर्माता जनरल मोटर्स ने आपसी सहयोग से एक ऐसा टायर विकसित किया है जो बिना हवा के चलता है। यह पंक्चर प्रूफ तकनीक वाला एयरलेस टायर है।

दुनिया की दूसरी बड़ी टायर निर्माता कंपनी मिशलिन और अमेरिकी कार निर्माता जनरल मोटर्स ने एक ऐसा टायर तैयार किया है जिसमें हवा भरने की जरूर ही नहीं है। चूकिं इसमें हवा नहीं होती इसके पंचर होने का भी कोई खतरा नहीं है। कंपनी ने इसका डिजाइन 5 साल पहले मोविनऑन ट्रांसपोर्ट समिट में दिखाया था। जिसके बाद से इसके लॉन्च होने की खबरें भी आती रही हैं। हालांकि, इसपर चल रहे टेस्टिंग के वजह से अभी तक ये मार्केट में एंट्री नहीं कर पाया है। इस टायर की खास बात है कि इसमें ना तो ट्यूब होता है, और ना ही इसके टायर में हवा भरी जाती है।

अगले साल बाजार में हो सकता है लॉन्च

यह एयरलेस टायर रेजिन-एम्बेडेड फाइबर ग्लास और रबर से मिलकर बना है। यह न सिर्फ मौजूदा टायरों से सस्ता होगा, बल्कि लंबे समय तक भी चलेगा। 'अप्टिस' नाम के इस टायर को 2025 तक बाजार में उतारा जा सकता है। कंपनी इसकी भारी वजन वाले वाहनों पर टेस्ट कर रही है। वहीं, कारों में इसका परीक्षण सफल रहा है. यही वजह है कि अब कंपनियां इसे व्यवसायिक रूप से लॉन्च करने की दिशा में काम कर रही हैं।

20 साल पहले तैयार हो गया था प्रोटोटाइप

इन एयरलेस टायर की खास बात है कि इनके आरपार देखा जा सकता है। इसमें ऐसी टेक्नोलॉजी का यूज किया गया है कि भारी वजन वाले वाहनों के भार से भी इसे कुछ नहीं होता. मिशलिन ने हाल ही में अपने नए अप्टिस डिजाइन की घोषणा की। अगर टायर को देखें तो इसके अंदर स्पोक जैसा रबर पैटर्न दिखाई देता है, जो टायर को फ्लेक्सिबल बनाने का काम करता है। कंपनी 2025 की शुरुआत में जनरल मोटर्स के साथ साझेदारी में इस प्रोडक्ट को लॉन्च करने की योजना बना रही है। मिशेलिन ने पहली बार 2005 में अपने एयरलेस प्रोटोटाइप टायर को दुनिया के सामने पेश किया था।

2025 ट्रायम्फ स्पीड ट्विन 900 मोटरसाइकिल भारत में लॉन्च, जानें कीमत और फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

ट्रायम्फ मोटरसाइकिल ने सोमवार, 23 दिसंबर को भारतीय बाजार में 2025 Speed Twin 900 (2025 स्पीड ट्विन 900) मोटरसाइकिल लॉन्च की है।

ट्रायम्फ मोटरसाइकिल ने सोमवार, 23 दिसंबर को भारतीय बाजार में 2025 Speed Twin 900 (2025 स्पीड ट्विन 900) मोटरसाइकिल लॉन्च की है। कंपनी ने इसकी कीमत 8.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। 2025 ट्रायम्फ स्पीड ट्विन 900 स्पोर्टी डिजाइन और कई बेहतरीन एस्थेटिक अपग्रेड के साथ भारत में आई है। साथ ही इसकी कीमत भी अपने पिछले मॉडल से करीब 40,000 रुपये ज्यादा है। दोपहिया वाहन निर्माता द्वारा वैश्विक बाजारों में इसे पेश करने के करीब दो महीने बाद इस बाइक को भारत में लॉन्च किया गया है।

कलर ऑप्शंस

ट्रायंफ ने नई स्पीड ट्विन 900 को तीन अलग-अलग रंगों में पेश किया है। इनमें नीले और नारंगी रंग की धारियों के साथ प्योर व्हाइट, गहरे भूरे रंग की धारियों और सुनहरे रंग के साथ फैंटम ब्लैक और ट्रायंफ लोगो के लाल फ्रेमिंग के साथ एल्युमिनियम सिल्वर शामिल हैं।

बुकिंग

ट्रायम्फ ने नई स्पीड ट्विन 900 के लिए बुकिंग पहले ही शुरू कर दी है और कहा है कि यह बाइक इस महीने के आखिर तक डीलरशिप पर टेस्ट राइड के लिए उपलब्ध होगी।

इंजन पावर और राइड मोड

ट्रायम्फ ने 2025 स्पीड ट्विन 900 में कोई मैकेनिकल बदलाव नहीं किया है। यह 900 सीसी के साथ आता है जो 7,500 आरपीएम पर 64 बीएचपी का अधिकतम पावर और 3,800 आरपीएम पर 80 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन के साथ एक 6-स्पीड यूनिट गियरबॉक्स मिलता है। बाइक दो राइडिंग मोड - रोड और रेन के साथ आती है। जो राइडर्स को अलग-अलग राइडिंग परिदृश्यों से निपटने में मदद करती है। ट्रायम्फ स्पीड ट्विन 900 के साथ एक्सेसरी के रूप में क्रूज कंट्रोल फीचर भी दे रहा है।

2025 ट्रायम्फ स्पीड ट्विन 900: क्या हुए बदलाव

ट्रायम्फ स्पीड ट्विन 900 बाइक को इसके 2025 वर्जन में कई डिजाइन अपडेट मिले हैं। इनमें अपसाइड-डाउन फोर्क्स, आगे की तरफ स्पोर्ट-स्टाइल मडगार्ड और फोर्क प्रोटेक्टर, पीछे की तरफ नए फैब्रिकेटेड एल्युमीनियम स्विंगआर्म और पिगी-बैक रियर सस्पेंशन यूनिट्स के साथ-साथ पतले मडगार्ड और कॉम्पैक्ट टेल-लाइट के साथ स्लीक रियर फ्रेम शामिल हैं। बेंच सीट अब 780 मिमी लंबी है और इसे पतला आकार दिया गया है। ताकि राइडर को कॉर्नरिंग करते समय ज्यादा आराम महसूस हो।

कैसे हैं फीचर्स

फीचर्स की बात करें तो ट्रायम्फ ने एनालॉग डिस्प्ले को हटाकर नया TFT इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर लगाया है जो रेव्स, स्पीड और गियर की जानकारी दिखाता है। स्क्रीन ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन भी देती है। और स्मार्टफोन से फोन कॉल करने और म्यूजिक एक्सेस करने की सुविधा देती है। बाइक में USB-C सॉकेट भी दिया गया है जो स्मार्टफोन को रिचार्ज करता है।

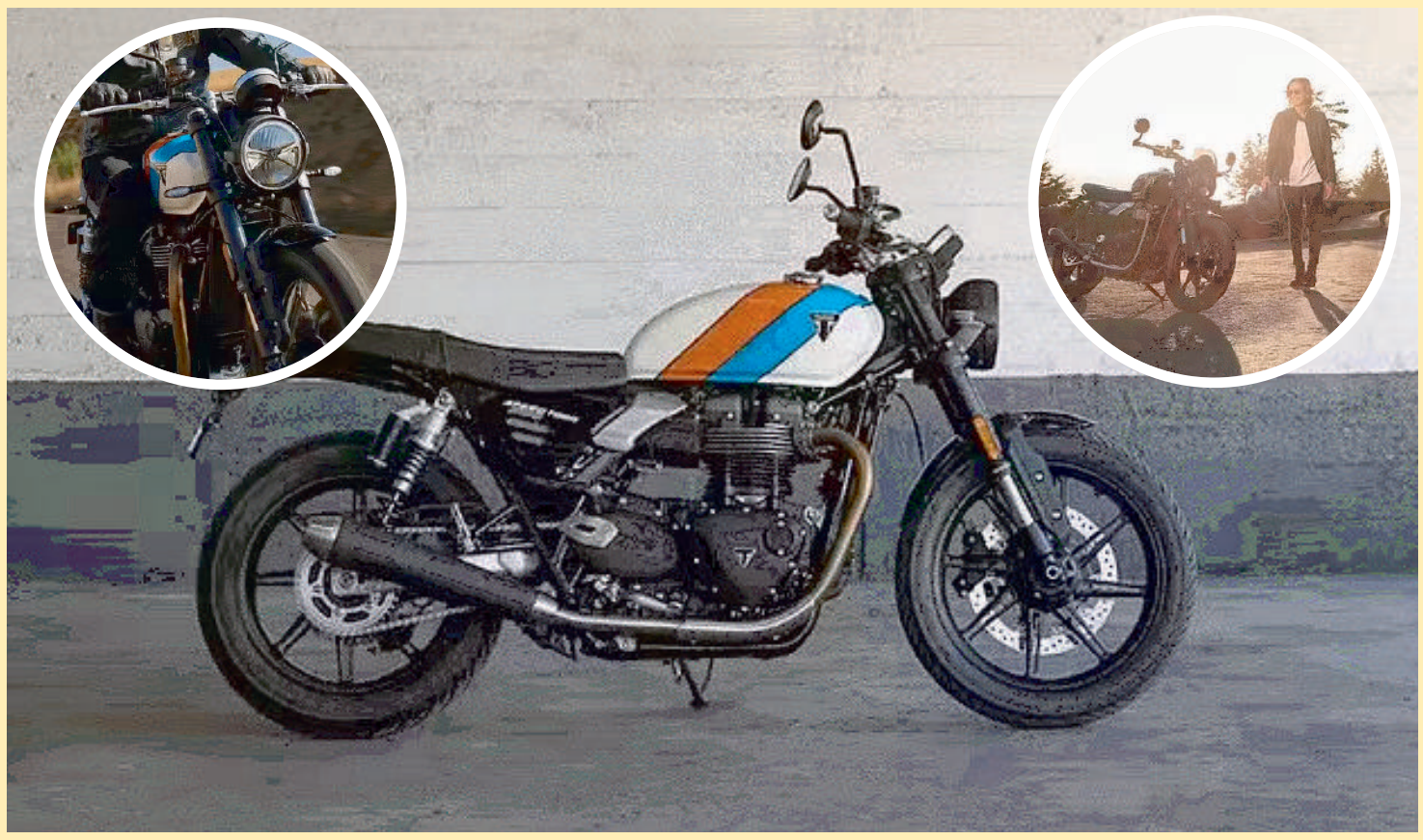

विजय गर्ग

मिट्टी को हरा-भरा बनाएं

केंद्र सरकार द्वारा सभी तीन मुख्य श्रेणियों, अर्थात कीटनाशक, कवकनाशक और खरपतवारनाशक, में 27 सामान्य रूप से प्रयुक्त कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम है।

भारत में कीटनाशकों, कवकनाशकों और खरपतवारनाशकों की तीनों मुख्य श्रेणियों में 27 आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र के फैसले से विभिन्न हितधारकों, विशेष रूप से उद्योग के एक खास वर्ग में चिंता की स्थिति पैदा हो गई है। इस मुद्दे और इसके प्रभावों को समझने के लिए आइए कुछ तथ्यों को क्रम से रखते हैं। कीटनाशकों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण और उपयोग को मनुष्यों या जानवरों के लिए जोखिम को रोकने और उससे जुड़े मामलों के लिए कीटनाशक अधिनियम (1968) के तहत विनियमित किया जाता है। पंजीकरण समिति (आरसी) - अधिनियम के तहत स्थापित - फार्मूले की जांच करने, मनुष्यों और जानवरों के लिए प्रभावकारिता और सुरक्षा के दावों को सत्यापित करने और विषाक्तता और किसी भी अन्य कार्यों के खिलाफ सावधानियों को निर्दिष्ट करने के बाद प्रत्येक कीटनाशक को पंजीकृत करती है।

समय-समय पर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (MoA&FW) - कीटनाशकों के विनियमन के लिए नोडल मंत्रालय - पंजीकृत कीटनाशकों की समीक्षा का आदेश देता है, खास तौर पर मनुष्यों, जानवरों और पर्यावरण के लिए इनसे होने वाले जोखिम के संदर्भ में। विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा जांच के आधार पर, यह उचित निर्णय पर पहुंचता है कि ₹क्या उनके निरंतर उपयोग की अनुमति दी जाए (यदि कोई अतिरिक्त सावधानी बरती जाए तो) या उनके उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाए।₹

वर्ष 2013 में, कुल 66 कीटनाशकों के निरंतर उपयोग या अन्यथा अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था, जो दो या अधिक देशों में प्रतिबंधित हैं, लेकिन भारत में उपयोग के लिए पंजीकृत हैं। इसकी सिफारिशों के आधार पर (समिति ने 9 दिसंबर, 2015 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की), सरकार ने वर्ष 2018 में 18 कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, इसने 27 कीटनाशकों के निरंतर उपयोग की अनुमति दी, जिनकी अनुशंसित अध्ययनों के पूरा होने के बाद समीक्षा की जाएगी।

14 मई को जारी एक राजपत्र अधिसूचना में, MoA&FW ने इन 27 कीटनाशकों के निर्माण, उपयोग और भंडारण पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एक मसौदा आदेश जारी किया और 45 दिनों में हितधारकों से टिप्पणियाँ या सुझाव मांगे। अधिसूचना में कहा गया है: ₹66 कीटनाशक, जो अन्य देशों में प्रतिबंधित या प्रतिबंधित या वापस लिए गए हैं, लेकिन भारत में घरेलू उपयोग के लिए पंजीकृत हैं, की समीक्षा MoA&FW द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई थी। मंत्रालय ने इस समिति की सिफारिशों पर विचार किया और माना कि 27 कीटनाशकों के उपयोग से मनुष्यों और जानवरों को खतरा होने की संभावना है, जिससे तत्काल कार्रवाई करना समीचीन या आवश्यक हो जाता है। प्रतिबंधित किए जाने वाले कीटनाशकों में 2,4-डी, एसीफेट, एट्राजीन, बेनफुराकार्ब, ब्यूटाक्लोर, कैप्टान, कार्बेन्डाजिन, कार्बोफ्यूरान, क्लोरपायरीफोस, डेल्टामेथ्रिन, डाइकोफोल, डाइमेथोएट, डाइनोकैप, डाययूरोन, मैलाथियान, मैन्कोजेब, मेथिमाइल, मोनोक्रोटोफोस, ऑक्सीफ्लोरोफेन, पेंडिमेथालिन, क्यूनिनलफोस, सल्फोसल्फ्यूरोन, थायोडिकार्ब, थायोफैनेट मिथाइल, थाइरम, ज़िनेब और ज़िरम शामिल हैं।

समिति ने उपरोक्त कुछ कीटनाशकों को अत्यधिक खतरनाक पाया है, जिनसे गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव होने की संभावना है। जैसे हार्मोनल परिवर्तन, तंत्रिका-विषाक्त प्रभाव, प्रजनन और विकासात्मक स्वास्थ्य प्रभाव, कार्सिनोजेनिक प्रभाव और साथ ही मधुमक्खियों के लिए विषाक्तता जैसे पर्यावरणीय प्रभाव। अन्य के लिए, नियामक उद्देश्य के लिए आवश्यक पर्याप्त डेटा उपलब्ध नहीं हैं। निर्णय पर पहुंचते समय, सरकार इस तथ्य से भी निर्देशित हुई है कि जिन सभी कीटनाशकों पर वह प्रतिबंध लगाना चाहती है, उनके लिए "नए" और "सुरक्षित" विकल्प उपलब्ध हैं। जेनेरिक उद्योग (नवाचार करने वाली फर्मों के अलावा अन्य निर्माताओं का वर्णन करने के लिए एक व्यंजना) ने प्रतिबंध पर नाराजगी जताई है, जिसका कहना है कि इससे घरेलू बिक्री – वर्तमान में लगभग 20,000 करोड़ रुपये – में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आएगी। कीटनाशकों के निर्यात को भी मौजूदा 20,000 करोड़ रुपये पर लगभग 10 प्रतिशत का झटका लगेगा।

निर्माताओं का तर्क है कि किसान लंबे समय से इन रसायनों का उपयोग कर रहे हैं और उन्हें ये किफायती लगे हैं, जबकि विकल्प महंगे हैं और इससे खेती की लागत बढ़ेगी। उन्होंने निर्णय के समय पर भी सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि किसानों को लगातार टिड्डियों के हमलों का सामना करना पड़ता है, खासकर हाल ही में, जिसने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में खेती को जकड़ लिया है। किसानों को मैलाथियान जैसे प्रासंगिक कीटनाशकों की तत्काल आवश्यकता है, जिनकी आपूर्ति प्रतिबंध से प्रभावित हो सकती है।

उद्योग द्वारा दिए गए तर्क अस्वीकार्य हैं। सबसे पहले, ऐसा नहीं है कि यह अचानक हुआ है। सरकार ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उनकी सुरक्षा की गहन जांच और मूल्यांकन के बाद ही यह निर्णय लिया है - यह प्रक्रिया सात वर्षों तक जारी रही।

इस प्रक्रिया में कीटनाशकों के निर्माताओं से परामर्श भी शामिल था। उन्हें विशेषज्ञ समिति के समक्ष अपना मामला प्रस्तुत करने का पूरा अवसर मिला, जिसमें कीटनाशकों की निरंतर सुरक्षा और प्रभावकारिता को प्रदर्शित करने के लिए अध्ययन प्रस्तुत करना भी शामिल था। यदि उन्हें लगता है कि इन कीटनाशकों ने मनुष्यों, जानवरों या पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया है, तो वे अपने दावे को पुष्ट करने के लिए आवश्यक डेटा प्रस्तुत कर सकते थे। लेकिन ऐसा कभी नहीं किया गया।

अब, जिन 27 कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है, उनमें से 15 को कई वर्षों से डेटा की कमी के कारण देश में ₹पंजीकृत कीटनाशक माना जाता है₹। यह दर्शाता है कि पहले दिन से ही, जिन फर्मों ने आवेदन किया और पंजीकरण प्राप्त किया, वे विनियामक को अपनी सुरक्षा और प्रभावकारिता को पुख्ता तौर पर प्रदर्शित नहीं कर सके (सौजन्य, डेटा में शून्यता)। ऐसा आज तक नहीं किया गया है, जिसके कारण अंततः केंद्र को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा।

दूसरा, विभिन्न राज्यों में विकास (उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे ग्राउंड जीरो पर नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें) ने संकेत दिया कि प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही थी। 2011 में, केरल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के आधार पर मोनोक्रोटोफॉस, कार्बोफ्यूरान और एट्राजीन पर प्रतिबंध लगा दिया था। 2017 में, महाराष्ट्र ने कपास किसानों के बीच कीटनाशक विषाक्तता की उच्च घटनाओं के कारण मोनोक्रोटोहोस और एसीफेट पर प्रतिबंध लगा दिया। 2018 में, पंजाब ने मनुष्यों और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने का हवाला देते हुए 2,4-डी, बेनफ्यूराकार्ब, डाइकोफोल, मेथिमाइल और मोनोक्रोटोफॉस के लिए नए लाइसेंस को "नहीं" कहा।

तीसरा, जब कीटनाशकों के बारे में निर्णय लेने की बात आती है जो खतरनाक हैं, तो नियामक केवल ₹सुरक्षा₹ और ₹प्रभावकारिता₹ के मानदंडों पर निर्भर करता है। यह यह भी देखता है कि क्या नए और सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। निर्णय लागत जैसे किसी अन्य विचार से निर्देशित नहीं हो सकता। केवल इसलिए कि किसी मौजूदा उत्पाद की कीमत कम है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके निरंतर उपयोग को उचित ठहराया जा सकता है, भले ही वह असुरक्षित पाया जाए। उसी तर्क से, किसी नए और सुरक्षित उत्पाद को केवल इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता है - क्योंकि उसकी कीमत अधिक है।

सुरक्षा से समझौता किए बिना, भले ही उपयोग के अर्थशास्त्र पर विचार किया जाए, हमें समान आधार पर तुलना करने की आवश्यकता है। यहाँ, केवल कीमत पर ही नहीं बल्कि खुराक पर भी ध्यान देना चाहिए; इसके अलावा, फसल की उपज और फसल की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार करना चाहिए। आइए एक उदाहरण से समझाते हैं।

कपास के कीटों को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक किलो एसीफेट (यह प्रतिबंधित किए जाने वाले कीटनाशकों की सूची में शामिल है) की कीमत लगभग 550 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि एक विकल्प के रूप में इमिडाक्लोप्रिड, जो एक नया और सुरक्षित अणु है, की कीमत 1,200 रुपये प्रति लीटर है। खुराक के मामले में, जहाँ एक एकड़ में कीटों को नियंत्रित करने के लिए 300 ग्राम एसीफेट की आवश्यकता होती है, वहीं इमिडाक्लोप्रिड के मामले में, प्रति एकड़ 100 मिली से भी कम की आवश्यकता होती है।

इस प्रकार, बाद के लिए प्रति एकड़ प्रभावी लागत 120 रुपये है, जबकि पहले के लिए 165 रुपये है। इमिडाक्लोप्रिड के साथ उच्च फसल उपज और बेहतर फसल गुणवत्ता सोने पर सुहागा का काम करती है। चौथा, यह तर्क कि प्रतिबंध लगाने से उत्पाद अनुपलब्ध हो जाएंगे और खेती के काम प्रभावित होंगे, भ्रामक है। किसी भी उत्पाद को चरणबद्ध तरीके से बंद करना भावी प्रभाव से जुड़ा होता है। इस मामले में, हितधारकों से टिप्पणी के लिए 45 दिन (अधिसूचना की तारीख यानी 14 मई, 2020 से) लेने के बाद, आदेश को सबसे पहले 1 जुलाई को लागू किया जा सकता है। इसके अलावा, आम तौर पर सरकार निर्माताओं को पाइपलाइन में अपनी आपूर्ति को साफ करने की अनुमति देती है जो मांग को पूरा करने के लिए अनुकूल होती है।

टिड्डियों के हमले से निपटने के लिए, यह तथ्य कि कृषि मंत्रालय स्वयं घरेलू निर्माताओं से ही मैलाथियान की खरीद कर रहा है, यह दर्शाता है कि इस कीटनाशक (जिस पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है) की आपूर्ति भी फिलहाल कोई बाधा नहीं बनेगी।

बाजार में वैकल्पिक सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध हैं जो यह सुनिश्चित करेंगे कि किसानों को नुकसान न हो। अंत में, प्रस्तावित प्रतिबंध सूची में शामिल 27 कीटनाशक भारत में उपयोग के लिए पंजीकृत वर्तमान 289 कीटनाशकों के 10 प्रतिशत से भी कम हैं। इसलिए, इन 27 पर प्रतिबंध लगाने से कृषि उत्पादन और भारत की खाद्य सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, खासकर तब जब इन सभी के लिए नए और सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं - जैसा कि विशेषज्ञ समिति द्वारा एक व्यापक मूल्यांकन में सामने आया है।

प्रतिस्पर्धा से परे शिक्षा : विजय गर्ग

आज की दुनिया में, प्रतिस्पर्धा अक्सर शैक्षिक प्रणालियों पर हावी हो जाती है, जिससे यह तय होता है कि छात्र कैसे सीखते हैं और उनकी सफलता कैसे मापी जाती है। जबकि प्रतिस्पर्धा प्रेरणा और नवीनता को बढ़ावा दे सकती है, यह अनुचित तनाव भी पैदा कर सकती है, रचनात्मकता को दबा सकती है और सहयोग में बाधा डाल सकती है। शिक्षा को प्रतिस्पर्धा से परे स्थानांतरित करने में अधिक समावेशी, छात्र-केंद्रित और विकासोन्मुख दृष्टिकोण अपनाना शामिल है। ऐसेः

1. व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें

वैयक्तिकृत शिक्षणः व्यक्तिगत रुचियों, शक्तियों और सीखने की शैलियों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करना, जिससे छात्रों को अपनी गति से प्रगति करने की अनुमति मिलती है।

आंतरिक प्रेरणाः छात्रों को बाहरी पुरस्कार या रैंकिंग के बजाय जिज्ञासा और आत्म-सुधार के लिए सीखने के लिए प्रोत्साहित करें।

2. तुलना की अपेक्षा सहयोग

टीमवर्क-उन्मुख परियोजनाएँः डिज़ाइन गतिविधियाँ जो व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सहयोग और सामूहिक समस्या-समाधान पर जोर देती हैं।

सहकर्मी शिक्षणः आपसी समझ और साझा विकास को बढ़ावा देने के लिए सहकर्मी से सहकर्मी शिक्षण की सुविधा प्रदान करें।

3. समग्र मूल्यांकन

पोर्टफोलियो - आधारित मूल्यांकनः मानकीकृत परीक्षणों को उन तरीकों से बदलें जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक बुद्धिमत्ता सहित छात्र के समग्र विकास को प्रदर्शित करते हैं।

ग्रेड पर फीडबैकः रचनात्मक फीडबैक प्रदान करें जो संख्यात्मक या अक्षर ग्रेड के बजाय सुधार के क्षेत्रों पर केंद्रित हो।

4. भावनात्मक और सामाजिक विकास

माइंडफुलनेस प्रैक्टिसः माइंडफुलनेस, ध्यान और भावनात्मक जागरूकता कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में एकीकृत करें।

संघर्ष समाधान कौशलः छात्रों को सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देते हुए विवादों और मतभेदों को रचनात्मक ढंग से हल करना सिखाएं।

5. अंतःविषय और अनुभवात्मक शिक्षा

वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगः छात्रों को सामुदायिक परियोजनाओं, इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभवों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करें।

अंतर-अनुशासनात्मक संबंधः ज्ञान की अधिक एकीकृत समझ को बढ़ावा देने के लिए विषयों के बीच की सीमाओं को धुंधला करें।

6. समावेशिता और पहुंच

सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (यूडीएल): विभिन्न शिक्षण आवश्यकताओं को समायोजित करने वाली शिक्षण विधियों और सामग्रियों का विकास करें।

अवसरों में समानताः सुनिश्चित करें कि सभी छात्रों को, पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, गुणवत्तापूर्ण संसाधनों और समर्थन तक पहुंच हो।

प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ने के लाभ

तनाव में कमीः छात्र साथियों से बेहतर प्रदर्शन करने के लगातार दबाव के बिना अपनी सीखने की यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

बढ़ी हुई रचनात्मकताः एक सहायक वातावरण जोखिम लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

मजबूत समुदायः सहयोग अपनेपन और साझा उद्देश्य की भावना को बढ़ावा देता है।

आजीवन सीखनाः छात्र ऐसे कौशल और दृष्टिकोण विकसित करते हैं जो निरंतर व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को प्रेरित करते हैं।

प्रतिस्पर्धा से परे शिक्षा की पुनर्कल्पना केवल स्कूलों को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि सहयोग, समानता और प्रत्येक व्यक्ति की विविध क्षमता को महत्व देने के लिए समाज को नया आकार देने के बारे में है।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट

नए साल में एआई से कितना बदलेगा हमारा जीवन

विजय गर्ग

पिछले दिनों ओपनएआई और गूगल के बीच एक मुकाबला हुआ, जिसमें गूगल ने 12 दिनों की नवाचार चुनौती रखी और फिर अपने जेमिनी 2 एआई मॉडल के साथ मैदान में डट गई। मैं इन प्रतिस्पर्द्धाओं से आगे 2025 और उसके बाद के चार एआई रुझानों की चर्चा करना चाहूंगा, जो बताते हैं कि कैसे मनुष्य और एआई जीवन, काम व रिश्तों के संदर्भ में एक-दूसरे के करीब आएंगे ?

पहला रुझान, अब कोडिंग नई अंग्रेजी है जब हमारी पीढ़ी बड़ी हो रही थी, तब हमें बताया गया कि अंग्रेजी सीखना सफलता का पासपोर्ट है। हमने ऐसा ही किया और अपने करियर व व्यवसाय में सफल रहे। बदले में हमने अपने बच्चों को यही बताया कि कोडिंग सीखना सफलता का पासपोर्ट है। इस प्रकार कोडिंग नई अंग्रेजी बन गई। इसी कारण 10 साल के बच्चे को भी पाइथन और जावा स्क्रिप्ट सीखने के लिए कोड कैंपों में घसीटा जाने लगा। जेनरेटिव एआई के आगमन के साथ तस्वीर बदल गई। अब हर बार जब हम चैटजीपीटी या इस जैसी किसी भी चीज से कोई संवाद करते हैं, तो वास्तव में हम 'कोडिंग' कर रहे होते हैं, यानी अपने कुछ काम के लिए उसे निर्देश दे रहे होते हैं, चाहे वह वीडियो बनाना या लेखन ही क्यों न हो। हम इससे मशीनी भाषा के बजाय अपनी कुदरती मानवीय भाषा में बात करने लगे हैं। यह बहुत बड़ा बदलाव है, क्योंकि इसमें कोडिंग को लोकतांत्रिक बनाने व आठ अरब लोगों को कोड करने की क्षमता है। शायद इसीलिए माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला कहते हैं कि मशीन की भाषा सीखने के बजाय, अब मशीनों को हमारी भाषा सीखनी होगी। एनवीडिया के जेंसन हुआंग भी इससे सहमत हैं और कहते हैं कि एआई की असली क्षमता यह है कि हममें से किसी को भी कोडिंग सीखने की जरूरत नहीं होगी। इस प्रकार, अब अंग्रेजी या कोई भी अन्य प्राकृतिक भाषा नई कोडिंग भाषा बन जाती है।

दूसरा रुझान, एआई नई यूआई है, यानी एआई नई यूजर इंटरफेस बन जाएगी। बिल गेट्स ने नवंबर 2023 में भविष्यवाणी की थी आपको अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग एप इस्तेमाल नहीं करने पड़ेंगे। आप अपनी डिवाइस को रोजमर्रा की भाषा में बता देंगे कि आप क्या करना चाहते हैं। दरअसल, यूआई वह माध्यम है, जिससे इंसान और मशीनें एक-दूसरे से संवाद करते हैं। सरल यूआई की वजह से मशीन के साथ ज्यादा तेज, सहज और उत्पादक रिश्ता बनाना संभव हुआ है। एआई के आने से यूआई हमारी आवाज से संचालित होगी, ठीक वैसे ही, जैसे हम किसी दूसरे इंसान से संवाद करते हैं। हम अपने रोजाना के कामों के लिए चैटजीपीटी या जेमिनी से बात करेंगे। हमारे उपकरण बदल जाएंगे, जिसमें बड़ी स्क्रीन की जगह आवाज प्रमुख हो जाएगी।

तीसरा रुझान, एआई और ईसान नए निर्माता हैं। जेनरेटिव एआई ऐसी तकनीक है, जो कला, कविता, लेखन जैसे रचनात्मक काम कर सकती है। इससे इंसानों की नौकरी पर संकट बढ़ गया, क्योंकि रचनात्मकता को एक विशिष्ट मानवीय कौशल माना जाता था। हालांकि, मेरा मानना है, कि जेनरेटिव एआई इंसानों में रचनात्मकता बढ़ाने का ही काम करेगी। जैसे, पिछले हफ्ते जारी किए गए ओपेनएआई के सोरा को ही लें। जब सैम ऑल्टमैन ने एक साल पहले एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसका जिक्र करते हुए लोगों से किस तरह के क्रिएटिव वीडियो बनाने का सुझाव मांगा, तो भारतीय उद्यमी कुणाल शाह ने 'समुद्र में साइकिल रेस की कल्पना की, जिसमें साइकिल चलाते हुए अलग- अलग जानवर दिखाई देने की संकल्पना थी। सोरा ने उसका शानदार वीडियो बनाया। जाहिर है, यह सोरा नहीं, बल्कि कुणाल की रचनात्मकता थी। साफ है, मनुष्य व एआई मिलकर रचनात्मकता के नए युग का सृजन न करेंगे। चौथा रुझान, एआई नया ग्राहक बनाती है। औद्योगिक क्रांति अपने साथ लेन-देन करने वाले औद्योगिक ग्राहक लेकर आई, जो शायद ही कभी तकनीक का इस्तेमाल करते थे, जबकि इंटरनेट ने डिजिटल संचालित ग्राहक तैयार किए। एआई के इस युग में एक नए तरह का ग्राहक उभरेगा, जो नितांत निजता के युग में जिएगा और एआई उसकी जरूरतों व ब्रांड संबंध का अनुमान एक सहयोगी के तौर पर बिना किसी भावना में बहे हुए लगाएगा। इसका मतलब यह है कि कारोबार और मार्केटिंग में बड़ा बदलाव आएगा। जाहिर है, यह सब हमारी जीवनशैली पर काफी असरदाज होने वाला है।

अहंकार की परतें : विजय गर्ग

लोगों में एक आम धारणा है कि प्यासा, कुएं के पास जाता है। कुआं कभी प्यासे तक नहीं जाता। यानी अगर कोई जरूरतमंद है तो मदद उसे ही मांगनी पड़ेगी। मदद देने वाला व्यक्ति उसे मदद देने नहीं आएगा।

कई बार ऐसा होता है कि मदद करने वाला व्यक्ति भी खुद प्रस्ताव देता है कि मैं सहायता कर देता हूं, लेकिन ऐसा अमूमन कम ही देखने को मिलता है। ऐसे में जिस व्यक्ति को मदद की जरूरत होती है, उसे ही सामने वाले से सहायता मांगनी चाहिए।

कई बार समाज में यह भी देखने को मिलता है कि जिस व्यक्ति को सहायता की जरूरत होती है, वह मदद नहीं मांगता है, बल्कि वह उम्मीद करता है कि कोई व्यक्ति खुद आकर उसकी सहायता करे। कुछ अंतर्मुखी और संकोची लोगों को छोड़ दिया जाए तो आमतौर पर देखा गया है कि इस तरह की सोच की वजह खुद को श्रेष्ठ समझना या घमंड होती है। उसे लगता है कि सहायता मांगने से उसकी तौहीन हो जाएगी। उसके बड़प्पन पर दाग लग जाएगी। ऐसे में वह मदद कैसे मांग सकता है? वह समझता है कि यह सामने वाले का कर्तव्य है कि वह खुद आकर यह प्रस्ताव पेश करे कि आपको जरूरत है और मैं सहायता करता हूं। जब ऐसा नहीं हो पाता है, तो अपने को श्रेष्ठ समझने वाले इंसान को नुकसान उठाना पड़ता है। उसे भले ही नुकसान उठाना पड़ जाए, परेशानी झेलनी पड़ जाए, लेकिन वह फिर भी सहायता मांगने नहीं जाता। मांगने को वह अपना स्वभाव नहीं मानता। इसमें उसको अपनी प्रतिष्ठा दांव लगी दिखती है। क्या इस तरह अभिमान से ग्रस्त लोग ऐसा करके अपना भला करते हैं? कुछ लोग कहते हैं कि घमंड और अकड़ सिर्फ 'मृत शरीर' में हो सकती है। जिंदा इंसान में कभी घमंड नहीं हो सकता। अगर उसमें घमंड है तो समझना चाहिए कि वह इंसान नहीं है। हालांकि यह तथ्य है कि मृत शरीर में जान नहीं होती, इसलिए जीवित व्यक्ति के भीतर घमंड की तुलना मृत शरीर की प्रकृति से नहीं की जा सकती।

ऐसा लगता है कि श्रेष्ठता के भाव के कारण लोगों में दंभ का अंकुर अब धीरे-धीरे विशाल पेड़ बन रहा है। यह समाज की एक जटिल समस्या बनती गई है और ज्यादातर लोग इसके असर में आ रहे हैं। इसका कई स्तर पर नुकसान होता है, मगर लोग इस भाव से अलग नहीं होना चाहते और इससे चिपके रहना पसंद करते हैं। ऐसा लगता है जैसे वर्तमान समय में समाज में कई लोग अहंकार के रथ पर सवार हैं। कोई इस रथ से उतरना ही नहीं चाहता। लोगों को लगता है कि वह सामने वाले से ज्यादा अमीर और प्रतिभाशाली है। साथ ही, उसकी उपलब्धि सामने वाले से कहीं अधिक है। यह संभव हो सकता है कि मगर अभिमान के कारण स्वाभाविक रूप से समाज में ईर्ष्या का प्रादुर्भाव शुरू होता है और लोग एक-दूसरे की तरक्की देख कर जलने लगते

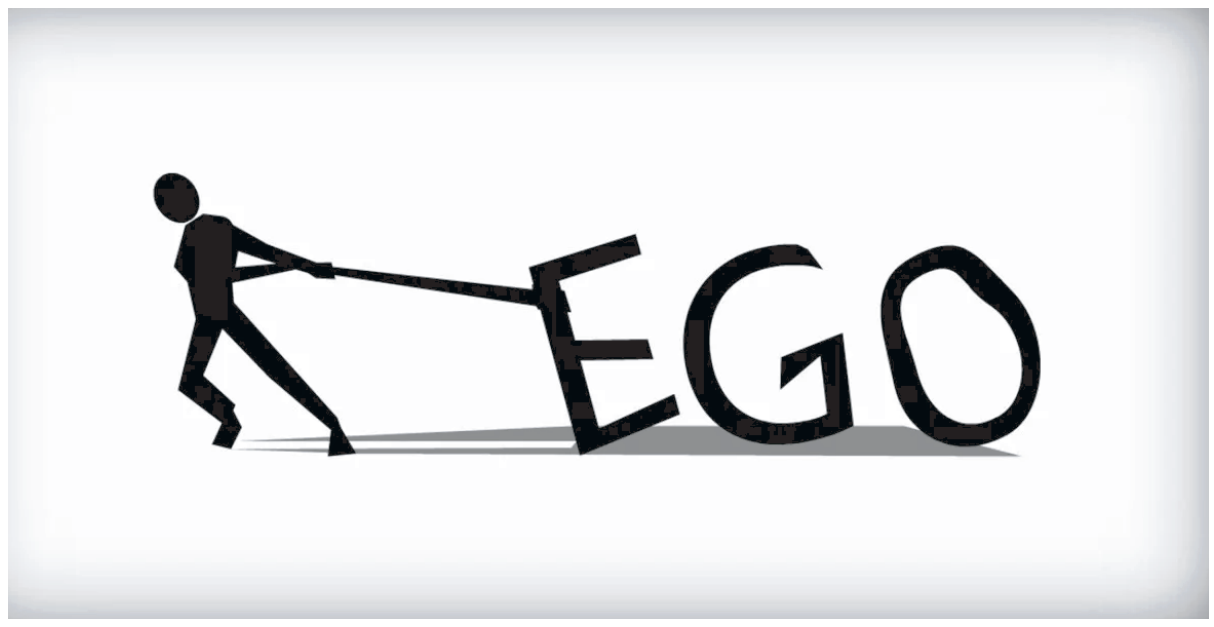

हैं, दूसरे को नीचे गिराने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखते हैं। शायद यही वजह है कि समाज में आए दिन कई तरह की समस्याएं पनप रही हैं और यह एक-दूसरे से जुड़ी हुई लगती हैं।

हालांकि इस तरह के दंभ से किसी को कुछ हासिल नहीं होता। ऐसे में विचार करने वाली बात यह है कि फिर भी यह इतना पल्लवित-पुष्पित क्यों हो रहा है ? आखिर समाज में यह अभिमान इतना पांव क्यों पसार रहा है ? वसुधैव कुटुंबकम् वाले भारत वर्ष में लोगों के मन में इतनी संकीर्णता कहां से आ रही है ? तरक्की अपने साथ कई तरह की समस्याएं भी साथ लाती हैं। तो क्या यह उसका परिणाम है ? यह समझना मुश्किल है कि सामाजिक समरसता कहां समाप्त होती जा रही है ? यह एक मनोविज्ञान है कि लोगों में अक्सर घमंड श्रेष्ठता भाव से शुरू होता है। यही श्रेष्ठता की ग्रंथि लोगों को एक- दूसरे से दूर करने लगती है। फिर धीरे-धीरे लोगों के मन में ईर्ष्या पनपने लगती है, लोग दूसरे लोगों को दुख तकलीफ, समस्या में देख कर खुश होने लगते हैं। पता नहीं, समाज में ऐसा कौन-सा जहर अपनी जगह बना रहा रहा है, जिसके कारण लोगों को दूसरे को दुख तकलीफ और समस्या में देख कर आनंद की अनुभूति होती है। यह कुंठा नहीं तो और क्या है ?

अक्सर लोग सफाई पेश करने के तौर पर अभिमान को स्वाभिमान की भावना से जोड़ देते हैं जो कहीं से भी सही प्रतीत नहीं होती। यह एक तरह का घालमेल है, जिसमें स्वाभिमान के नाम पर दंभ से लैस अभिमान को छिपाने की एक विफल कोशिश की जाती है। गर्व और घमंड शब्द आमतौर पर एक जैसा ही दिखाई जरूर देता है. हालांकि यो शब्द करीब एक जैसे होकर भी भाव में काफी अंतर रखते हैं। गर्व को जहां हम लोग सकारात्मक तरीके से लेते हैं, वही घमंड को नकारात्मक तरीके से। ऐसे में हमें घमंड को किसी भी परिस्थिति में अपने भीतर जगह नहीं देना चाहिए। यह याद रखने की जरूरत है कि घमंड से इंसान का कभी भी भला नहीं हुआ है। अगर कोई व्यक्ति सक्षम होने की वजह से कभी अभिमान के भाव से भर जाता है तो एक अच्छे नागरिक होने के कारण सहज व्यक्ति को यह प्रयास करना चाहिए कि उसे इस संजाल से बचाए। दरअसल, घमंड एक तरीके का रोग है। इससे जितना दूर रहा जाए मनुष्य के लिए उतना ही अच्छा। इससे मनुष्य और मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

इस बार शनिवार को पेश होगा केंद्रीय बजट जानिए शेयर बाजार खुला रहेगा या बंद

परिवहन विशेष न्यूज

बीएसई और एनएसई का कहना है कि शेयर बाजार 1 फरवरी शनिवार को कारोबार के लिए खुला रहेगा जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इस दौरान सुबह 9 .15 बजे से दोपहर 3 .30 बजे तक सामान्य समय के दौरान कारोबार किया जाएगा। 1 फरवरी 2020 और 28 फरवरी 2015 को भी शेयर बाजार खुला था जब केंद्रीय बजट पेश किए गए थे। उस दिन भी शनिवार था।

नई दिल्ली। शेयर बाजार हर हफ्ते शनिवार और रविवार को बंद रहता है। इस बार 1 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा, जो कि शनिवार को पड़ रहा है। शनिवार को कुछ खास परिस्थितियों में शेयर बाजार खुलता है। ऐसे में निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि उस दिन शेयर बाजार में ट्रेडिंग होगी या फिर नहीं। अब दोनों प्रमुख सूचकांक, बीएसई और एनएसई ने सर्कुलर जारी करके स्थिति साफ कर दी है।

बीएसई और एनएसई का कहना है कि शेयर बाजार 1 फरवरी, शनिवार को कारोबार के लिए खुला रहेगा, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट पेश करेंगी। इस दौरान सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक सामान्य समय के दौरान कारोबार किया जाएगा। सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी।

1 फरवरी, 2020 और 28 फरवरी, 2015 को भी शेयर बाजार खुला था, जब केंद्रीय बजट पेश किए गए थे। उस दिन भी शनिवार था। साल 2001 में बजट पेश करने का समय शाम 5 बजे से बदलकर सुबह 11 बजे कर दिया गया था। तब से शेयर बाजार बजट के दिन हमेशा अपने सामान्य समय पर ही खुले रहे हैं।

2025 में कुल कितने दिन बंद रहेगा शेयर बाजार

शेयर बाजार में हर हफ्ते शनिवार और रविवार को ट्रेडिंग बंद रहती है। साथ ही, कुछ खास मौकों पर भी BSE और NSE पर ट्रेडिंग नहीं होती। इनमें ज्यादातर बड़े त्योहार या किसी महापुरुष की जयंती होती है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) आने वाले नए साल 2025 के लिए भी हॉलिडे लिस्ट (Holiday List 2025) जारी कर चुके हैं।

इस लिस्ट के मुताबिक, 2025 में साप्ताहिक छुट्टियों के अतिरिक्त कुल 14 कारोबारी दिन बंद रहेगा। 2025 में मुहूर्त ट्रेडिंग (Muhurat Trading) दीवाली के दिन 21 अक्टूबर को होगी।

हॉलिडे लिस्ट (Holiday List 2025) के मुताबिक, 2025 के पहले महीने यानी जनवरी में कोई छुट्टी नहीं है। वहीं, फरवरी, मई, नवंबर और दिसंबर में स्टॉक मार्केट में एक-एक दिन के लिए ट्रेडिंग बंद रहेगा। मार्च और अगस्त में दो-दो दिन अवकाश रहेंगे। अप्रैल और अक्टूबर में सबसे अधिक छुट्टियां रहेंगी। इन दोनों महीने के दौरान शेयर मार्केट तीन-तीन दिन के लिए बंद रहेगा।

रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम वाला टर्म प्लान चुनना हो सकती है भूल, समझिए फायदे और नुकसान

नॉर्मल और रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम दोनों ही टर्म प्लान में मृत्यु के बाद समान रकम मिलती है। इसमें अंतर मैच्योरिटी के बाद वाले मिलने वाली रकम पर है। नॉर्मल टर्म प्लान में मैच्योरिटी जैसी कोई चीज नहीं होती। वहीं रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम में आपको जमा किया सारा पैसा वापस मिल जाता है। आइए जानते हैं कि रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम टर्म प्लान किस तरह से नॉर्मल टर्म प्लान से अलग होता है।

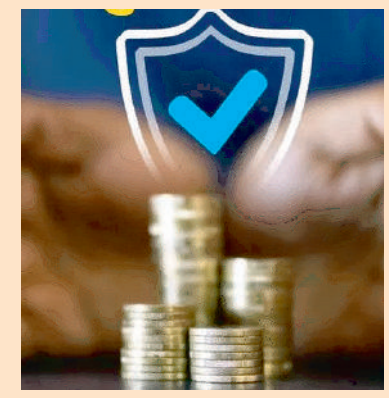

नई दिल्ली। अपने परिवार के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाइफ इंश्योरेंस लेना आज के समय में बेहद जरूरी हो गया है। खासकर, अगर आप अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले हैं, तो जीवन बीमा की अहमियत काफी बढ़ जाती है। हालांकि, जब इंश्योरेंस प्लान चुनने की बारी आती है, तो लोगों को काफी दुविधा होती है।

अभी अधिकतर लोग एंडोवमेंट पॉलिसी लेते हैं। इसमें पॉलिसीधारक की असमय मृत्यु या एक निश्चित अवधि के बाद एकमुश्त रकम का भुगतान किया जाता है। यह समयावधि 10, 15 या फिर 20 साल भी हो सकती है। लेकिन, अब टर्म प्लान का भी चलन बढ़ रहा है। इसमें भी बीमा कंपनियां प्रीमियम वापसी का लालच देकर कंपनियां रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम टर्म प्लान बेच रही हैं।

आइए जानते हैं कि रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम टर्म प्लान किस तरह से नॉर्मल टर्म प्लान से अलग होता है। साथ ही, किस टर्म प्लान को लेने पर अधिक फायदा है।

नॉर्मल टर्म प्लान क्या होता है?

नॉर्मल और रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम, दोनों ही टर्म प्लान में मृत्यु के बाद समान रकम मिलती है। इसमें अंतर मैच्योरिटी के बाद वाले मिलने वाली रकम पर है। नॉर्मल टर्म प्लान में मैच्योरिटी जैसी कोई चीज नहीं होती। वहीं, रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम में आपको जमा किया सारा पैसा वापस मिल जाता है।

रिटर्न-ऑफ-प्रीमियम की दिक्कत

मैच्योरिटी के बाद पूरा प्रीमियम वापस मिलने का ऑफर कभी लुभावना लग सकता है। लेकिन, असलियत में इसमें बड़ा झोल है। इसका प्रीमियम काफी अधिक होता है। अमूमन, नॉर्मल टर्म प्लान के प्रीमियम से करीब ढ़ाई से तीन गुना ज्यादा। जबकि आपको मैच्योरिटी में पर प्रीमियम वापस मिलने के अलावा कोई फायदा नहीं मिलता। पूरा हिसाब करने के बाद यह फायदा कम, नुकसान अधिक लगता है।

यूनीमेक एयरोस्पेस का खुल गया आईपीओ, पैसे लगाने से पहले जानें एक्सपर्ट की राय

परिवहन विशेष न्यूज

यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। इसके इश्यू को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। यह खुलने के कुछ ही देर बाद पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया। इसे ग्रे मार्केट में काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कंपनी ने प्राइस बैंड 745 से 785 रुपये तय किया है। लॉट साइज 19 शेयरों का है। आइए इस आईपीओ की पूरी डिटेल जानते हैं।

नई दिल्ली। यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का आईपीओ आज यानी मंगलवार 23 दिसंबर से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। कंपनी आईपीओ से 500 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। इसके इश्यू को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। यह खुलने के कुछ ही देर बाद पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया। इसे ग्रे मार्केट में काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। आइए इस आईपीओ की पूरी डिटेल जानते हैं।

Unimech Aerospace IPO की डिटेल्स

यूनीमेक एयरोस्पेस का आईपीओ 500 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने प्राइस बैंड 745 से 785 रुपये तय किया है। लॉट साइज 19 शेयरों का है। इसे 23 दिसंबर से 26 दिसंबर तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 27 दिसंबर को फाइनल होगा। बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 31 दिसंबर को एंट्री होगी। इस इश्यू का रजिस्ट्रार केफिन टेक है।

यह आईपीओ ऑफर फॉर सेल और नए शेयरों का मेल है। ऑफर फॉर सेल का पैसा शेयर बेचने वाले शेयरहोल्डर्स को मिलेगा। वहीं नई इक्विटी के जरिए जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट की खरीदने के साथ दूसरी जरूरतें पूरा करने के लिए करेगी। कंपनी अपनी मैटेरियल सब्सिडियरी में निवेश भी करेगी। साथ ही, कुछ पैसों से कर्ज भी चुकाया जाएगा।

क्या कहता है जीएमपी (Unimech Aerospace IPO GMP)

यूनीमेक एयरोस्पेस आईपीओ को ग्रे मार्केट में काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। यह 480 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहा है। इससे संकेत मिलता है कि आईपीओ निवेशकों को 60 फीसदी से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल सकता है। हालांकि, ग्रे मार्केट में भाव लगातार बदलते रहते हैं। इसलिए मार्केट एक्सपर्ट जीएमपी के बजाय कंपनी के फंडामेंटल्स को देखकर निवेश करने की सलाह देते हैं।

Unimech Aerospace का बिजनेस क्या है?

यूनीमेक एयररोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग की नींव 2016 में पड़ी थी। यह मैकेनिकल असेंबली, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम और एयरोइंजन और एयरफ्रेम प्रोडक्शन के लिए कंपोनेंट जैसे कॉम्प्लेक्स टूल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। कंपनी के वित्तीय नतीजे लगातार बेहतर हुए हैं। इसे वित्त वर्ष 2022 में 3.39 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था। यह वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 22.81 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024 में 58.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

यूनीमेक एयरोस्पेस आईपीओ पर एक्सपर्ट की राय

यूनीमेक एयरोस्पेस एंड मैन्युफैक्चरिंग के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (MRO), डिफेंस, सेमीकंडक्टर और एनर्जी इंडस्ट्रीज में होता है। इसके कारोबार में ग्रोथ की शानदार संभावनाएं हैं। इसका वैल्यूएशन भी अपने सेक्टर की बाकी कंपनियों के मुकाबले सस्ता है। इसलिए अधिकतर एनालिस्ट्स इसमें पैसे लगाने की सलाह दे रहे हैं। एसबीआई सिक्योरिटीज और बजाज ब्रोकिंग ने इसे लॉन्ग टर्म के लिए सब्सक्राइब की सलाह दी है।

पांच दिन की गिरावट के बाद रॉकेट बना शेयर बाजार, जानिए किस से आई तूफानी तेजी

परिवहन विशेष न्यूज

आज यानी सोमवार 23 दिसंबर को सेंसेक्स और निफ्टी में जोरदार तेजी देखने को मिली। इसकी वजह वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी रही। निवेशकों ने गिरावट में खरीदारी वाली रणनीति भी अपनाई क्योंकि उन्हें लगा कि पिछले पांच दिनों की बाजार में गिरावट गैरजरूरी थी। आज दक्षिण कोरिया जापान और चीन के बाजारों में भी तेजी रही।

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पांच दिनों की भारी गिरावट के बाद सोमवार सुबह तेजी देखने को मिली। निवेशकों को 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति अपनाई। साथ ही ग्लोबल मार्केट में भी तेजी का रुख दिखा। ब्लू-चिप शेयरों में भी अच्छी खरीदारी हुई है। इसके चलते शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी से ज्यादा उछल गए। आइए जानते हैं कि किन वजहों से शेयर मार्केट में तेजी आई है। हालांकि, फिर मुनाफावसूली के चलते इसमें थोड़ा करेक्शन हुआ। आइए जानते हैं कि किन वजहों से शेयर मार्केट में तेजी आई है।

गिरावट में खरीदारी की रणनीति

पिछले पांच दिनों से शेयर मार्केट में गिरावट के चलते कई अच्छे स्टॉक का वैल्यूएशन का काफी कम हो गया था। इसका फायदा उठाने के लिए निवेशकों ने Buy in Dip यानी गिरावट में खरीदारी की रणनीति अपनाई। इससे शेयर बाजार में तेजी आई है।

ग्लोबल मार्केट में तेजी का रुख

आज एशियाई बाजारों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट यानी अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। इन सबका असर आज भारतीय बाजार पर दिख रहा है।

ब्लू चिप शेयरों में खरीदारी

आज ब्लू चिप शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। 30 ब्लू-चिप शेयरों में बजाज फाइनेंस, HDFC बैंक, ITC, ICICI बैंक, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक सबसे अधिक उछाल दिखा। इनमें पिछले कुछ दिनों से गिरावट देखने को मिल रही थी।

क्या है एक्सपर्ट की राय

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के सीनियर वीपी (रिसर्च) प्रशांत तापसे का कहना है कि पिछले हफ्ते की बिकवाली के बाद आज निफ्टी में राहत भरी तेजी देखी जा रही है। हालांकि, एफआईआई का रुख अभी भी साफ नहीं है। अगर उनकी बिकवाली जारी रहती है, तो बाजार में अभी उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वहीं, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, 'निकट अवधि में बाजार में उछाल आएगा। इससे एफआईआई फिर से बिकवाली तेज कर सकते हैं। बाजार में टिकाऊ तेजी तभी देखने को मिलेगी, जब इकोनॉमी में सुधार का ठोस संकेत मिले। इसकी शुरुआत नए साल से होने की उम्मीद है।'

रुपये का क्या है हाल

शेयर बाजार में अच्छी तेजी के बावजूद रुपया अपने ऑल-टाइम लो-लेवल से उबरने में नाकाम रहा। यह सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.04 पर स्थिर रहा। इसकी वजह अमेरिकी करेंसी में मजबूती और विदेशी फंडों की लगातार बिकवाली है।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों का कहना है कि भू-राजनीतिक अस्थिर बना हुआ है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है और डॉलर की मांग बढ़ी है। इसके चलते रुपया कमजोर रहा। हालांकि, घरेलू इक्विटी बाजारों में तेजी से रुपये को सहारा मिला रहा और इसमें ज्यादा गिरावट नहीं आई।

वेदांता बांट रही तगड़ा डिविडेंड, आज है शेयर खरीदने का आखिरी मौका

परिवहन विशेष न्यूज

Vedanta Limited जल्द 8.5 रुपये प्रति शेयर का चौथा इंटरिम डिविडेंड देने वाली है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट मंगलवार 24 दिसंबर 2024 है। हालांकि अभी शेयर बाजार में T+1 सेटलमेंट मैकेनिज्म है यानी शेयर खरीदने-बेचने के एक दिन बाद डीमैट अकाउंट में क्रेडिट होते हैं या फिर कटते हैं। इसलिए अगर आप रिकॉर्ड डेट वेदांता की शेयरहोल्डर लिस्ट में आना चाहते हैं तो आपको आज ही शेयर खरीदना होगा।

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल के मालिकाना हक वाली वेदांता लिमिटेड डिविडेंड देने के लिए मशहूर है। इसने 8.50 रुपये प्रति शेयर के चौथे इंटरिम डिविडेंड का एलान किया है। यह डिविडेंड 1 रुपये फेस वैल्यू वाले स्टॉक पर मिलेगा। आइए जानते हैं कि आप कब तक शेयर खरीदकर डिविडेंड पा सकते हैं।

वेदांता के डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट

वेदांता लिमिटेड ने डिविडेंड के लिए मंगलवार, 24 दिसंबर 2024 की रिकॉर्ड डेट तय की है। इसका मतलब है कि 24 दिसंबर तक जिन लोगों के डीमैट अकाउंट में वेदांता के शेयर रहेंगे, उन्हें 8.5 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। हालांकि, अभी शेयर बाजार में T+1 सेटलमेंट मैकेनिज्म है यानी शेयर खरीदने-बेचने के एक दिन बाद डीमैट अकाउंट में क्रेडिट होते हैं या फिर कटते हैं। इसलिए अगर आप रिकॉर्ड डेट वेदांता की शेयरहोल्डर लिस्ट में आना चाहते हैं, तो आपको आज ही शेयर खरीदना होगा।

डिविडेंड किंग कही जाती है वेदांता

Vedanta के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 16 दिसंबर 2024 को मीटिंग हुई थी। इसमें 8.5 रुपये के चौथे इंटरिम डिविडेंड को मंजूरी दी। यह डिविडेंड मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2024-25 के लिए है। वेदांता ने इससे पहले सितंबर 2024 में 20 रुपये प्रति शेयर का तीसरा इंटरिम डिविडेंड दिया था। वहीं, अगस्त 2024 में कंपनी ने दूसरा इंटरिम डिविडेंड दिया था, जिसमें शेयरहोल्डर्स को प्रति शेयर 4 रुपये मिले थे।

वेदांता के शेयरों का हाल

वेदांता के शेयर आज 1 फीसदी से अधिक गिरावट के साथ 471.60 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले 6 महीने से वेदांता के शेयर इसी भाव के आसपास ट्रेड कर रहे हैं। इस दौरान निवेशकों को सिर्फ 2 फीसदी का रिटर्न मिला है। हालांकि, पिछले एक साल के दौरान वेदांता ने 80 फीसदी का बंपर रिटर्न दिया है। इसका ऑल टाइम लेवल 526.95 रुपये का है, जो इसने पिछले दिनों बनाया था। वेदांता का मार्केट कैप 1.84 लाख करोड़ रुपये है।

क्या करती है वेदांता लिमिटेड

अनिल अग्रवाल के मालिकाना हक वाली वेदांता लिमिटेड मल्टीनेशनल माइनिंग कंपनी है। इसका मुख्यालय मुंबई में है। कंपनी की गोवा, कर्नाटक, राजस्थान और ओडिशा में लौह अयस्क, सोना और एल्युमीनियम खदानें हैं। इसका वित्त वर्ष 2024 में रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रहा था। वेदांता के कर्मचारियों की संख्या 17 हजार से अधिक है।

11 फीसदी तक उछले इंडिया सीमेंट्स के शेयर, इस खबर का दिख रहा है असर

देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने हाल ही में इंडिया सीमेंट्स को खरीदा था। अब कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) ने 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की डील को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब कि कुमार मंगलम बिड़ला की अल्ट्राटेक सीमेंट अब इंडिया सीमेंट में मेजॉरिटी हिस्सेदारी खरीद सकेगी। इस डील से अल्ट्राटेक को मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। सीमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी इंडिया सीमेंट्स के शेयरों में आज जोरदार तेजी देखने को मिली। यह करीब 11 फीसदी उछलकर रिकॉर्ड हाई के करीब 376.30 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, कुछ निवेशकों ने मुनाफावसूली की, जिसके चलते इंडिया सीमेंट्स के शेयरों में कुछ नरमी आई है। यह BSE पर फिलहाल 8.89 फीसदी के उछाल के साथ 369.15 रुपये के भाव (India Cements Share Price) पर ट्रेड कर रहा है।

India Cements के शेयरों में क्यों आई तेजी?

दरअसल, देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने हाल ही में इंडिया सीमेंट्स को खरीदा था। अब कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (CCI) ने 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की डील को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब कि कुमार मंगलम बिड़ला की अल्ट्राटेक सीमेंट अब इंडिया सीमेंट में मेजॉरिटी हिस्सेदारी खरीद सकेगी। इस डील से अल्ट्राटेक को मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी और यह अदाणी ग्रुप को टक्कर दे सकेगी। अदाणी ग्रुप भी सीमेंट सेक्टर में तेजी बढ़ रही है।

इंडिया सीमेंट में कितनी स्टेक खरीदेगी अल्ट्राटेक?

अल्ट्राटेक सीमेंट का प्लान इंडिया सीमेंट्स की 32.72 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह इंडिया सीमेंट के प्रमोटर्स, प्रमोटर ग्रुप और अन्य शेयरहोल्डर से 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 10.13 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदेगी। साथ ही, अल्ट्राटेक 26 फीसदी हिस्सेदारी यानी 8.05 करोड़ शेयरों के लिए 390 रुपये के भाव पर ओपन ऑफर लेकर आएगी।

अल्ट्राटेक सीमेंट ने 28 जुलाई को 3,954 करोड़ रुपये में इंडिया सीमेंट्स की 32.72 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का एलान किया था। कंपनी ने 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 3,142.35 करोड़ रुपये के ओपन ऑफर का भी घोषणा की थी।

इंडिया सीमेंट के शेयरों का हाल

इंडिया सीमेंट्स के स्टॉक में पिछले कुछ समय से अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। यह 4 जून 2024 को 172.55 रुपये पर था। यहां से सिर्फ दो ही महीने में यह 123 फीसदी से अधिक उछलकर 29 जुलाई 2024 को 385.50 रुपये के भाव पर पहुंच गया। यह इसका ऑल टाइम हाई लेवल है। इसने पिछले एक साल 40 फीसदी का रिटर्न दिया है। इंडिया सीमेंट का मार्केट कैप 11.37 हजार करोड़ रुपये है।

इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड का हेडक्वॉर्टर चेन्नई में है। यह रेवेन्यू के हिसाब से भारत की 9वीं सबसे बड़ी लिस्टेड सीमेंट कंपनी है। इसकी अगुआई आईसीसी और बीसीसीआई के चेयरमैन रह चुके एन. श्रीनिवासन करते हैं। पिछली कुछ तिमाहियों से इंडिया सीमेंट्स के नतीजे अच्छे नहीं आ रहे हैं।

नालसा, झालसा द्वारा सरायकेला मे लगा विधिक शसक्तीकरण शिविर

राष्ट्रपति के भावनात्मक संवाद को पी डी जे रामाशंकर सिंह ने दी तरहीज

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट-झारखंड

सरायकेला, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा एवं झालसा) की तरफ से सरायकेला खरसावां जिला अदालत द्वारा विधिक सशक्तिकरण हेतु एक महत्त्वपूर्ण जागरूक शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर का मूल उद्देश्य पर प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश रामाशंकर सिंह ने विस्तार पूर्वक व्याख्या करते हुए भारतीय संविधान की विशेषता में ₹सबको न्याय₹ उपलब्ध कराने हेतु जिले के निचले तबके तक कानूनी , शिक्षा , जागरूकता व अधिकारों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी । ज्ञात हो कि सरायकेला मुख्यालय से महज साठ किलोमीटर दुर रायरंगपुर (ओडिशा)की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने दो वर्ष पूर्व ओडिशा ,झारखंड की न्यायिक समस्या , देश की न्यायापालिका से अपेक्षा पर उम्मीद रखते हुए जब भावुकता भरे लहजे में प्रकाश डाला था तब सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से लेकर देश के बुद्धिजीवियों को भी सोचने के लिए विवश होना पड़ा था।

जहां आज विद्वान न्यायाधीश पी डी जे सरायकेला रामाशंकर सिंह ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39ए के वर्णित अधिकारों को सुनिश्चित करते हुए अपने प्रदत्त शक्ति का संचालन कर लोगों को समान अवसर देने हेतु महत्त्वपूर्ण बातें कही ।मुख्य अतिथि के तौर पर संविधान वर्णित अधिकारों को नालसा, झालसा सहित अपने न्यायालय के कर्तव्य को इंपावरमेंट पर लेते हुए इलाके की मूल जानकारी , जरूरतों की पूर्त्ति हेतु दुर दराज जंगली को जोड़ने की भरपुर कौशिश की । पीडीजे ने अपने संबोधन में शिक्षा पर बल दिया , विशेषकर महिला शिक्षा पर

। आगे उन्होंने कहा अशिक्षा के कारण बहुतों को दलाल सक्रिय हो कर न्याय की पहुंच से उन्हे वंचित रखते । उन्होंने न्याय को लोकतंत्र का मुल भी उद्देश्य बताया तथा न्याय की हार कतई नहीं होनी चाहिए एवं सबके लिए सुलभ न्याय की बात पर बल दिया । उन्होंने विधिक कार्यों में निर्धन व्यक्तियों को किस प्रकार सुलभ न्याय मिल सके,इसमें दी जाने वाली आर्थिक सहयोग ,वकील आदि की खुलकर प्रचार किया । उन्होंने बताया कि अशिक्षा के कारण पति के अ सामयिक निधन पर अक्सर महिलाओं को डायन बताकर संपत्ति से वे-दखल करने की कौशिश होती है । जहां शिक्षा होती वहां न्याय पाने लोग आ जाते पर जहां अशिक्षा होती वहां अंधेरा छाया रहता । उन्होंने विधिक जागरूकता के साहारे महिलाओं, गरीबों को मुफ्त में वकील प्रदान की जाने की जानकारी दी । इसके अलावा विवादों को सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटाने, जरूरत मंदों को वकील उपलब्ध कराने कोर्ट में कागजात हेतु खर्च उठाने , एक्सीडेंट केस में मुआवजा दिलाने पर जानकारी रखी । इस अवसर पर कुछ लाभुकों को विभिन्न योजनाओं की राशि, उपकरण आदि उपलब्ध की । साथ ही एक विकास मेला का स्टाल भी सरकार की तरफ लगाया गया । पी डी जे ने लिगल इम्पावरमेंट के प्रचार प्रसार पर बल देते हुए शिक्षक एवं पत्रकारों का ध्यान इस मुहिम की और आकर्षित किया तथा सबको न्याय पहुंचाने में इस मुहिम का हिस्सा बनने की बात कही ।
इस अवसर पर डी एल एस ए सचिव तौसिफ मेराज, अन्य न्यायाधीशों ने भी महत्वपूर्ण जानकारी दी । जहां प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कुमार रजत, एस डी ओं सदानंद महतो ,डी एस पी मुख्यालय,बार के सचिव देवाशीष ज्योतिषी, अधिवक्ता जलेश कवि , प्रखंड विकास पदाधिकारी यश्मिता सिंह आदि उपस्थित थे ।

महाकुंभ में प्रदूषण को कम करने के लिए झारखंड का 'एक थाली-एक थैला' अभियान

परिवहन विशेष न्यूज

बोकारो, झारखंड । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ के दौरान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए झारखंड में एक विशेष पहल की गई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने 'एक थाली-एक थैला' अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को प्लास्टिक के उपयोग से बचाना है।

बेहतर झारखंड संस्था के संस्थापक विवेक सिंह ने चास स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में इस अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिससे लगभग 40 हजार टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हो सकता है।

इस मुहिम के तहत, संघ ने घर-घर जाकर 'एक थाली-एक थैला' इकट्ठा करने का कार्य शुरू किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालु पारंपरिक बर्तनों का उपयोग करें और डिस्पोजेबल सामग्री से बचें।

इस अवसर पर भाजपा के कई नेता भी मौजूद थे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। बोकारो और झारखंड के अन्य जिलों में यह अभियान तेजी से फैल रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

'एक थाली-एक थैला' अभियान न केवल महाकुंभ को स्वच्छ बनाने का प्रयास कर रहा है, बल्कि यह समाज में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है। इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि प्रयागराज को एक हरित और स्वच्छ तीर्थ स्थल बनाया जा सकेगा।

नोएडा में जेवर एयरपोर्ट के आगमन से रेस्टोरेंट उद्योग में बूम: फूड लाइसेंस में 5 गुना वृद्धि

इशिका मुख्य रिपोर्टर

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रेस्टोरेंट उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है, जिसका मुख्य कारण जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का आगमन है। इससे क्षेत्र में नए हाउसिंग हब, कॉर्पोरेट दफ्तरों की स्थापना और बढ़ती आबादी के साथ रेस्टोरेंट्स के लिए नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

फूड लाइसेंस में 5 गुना वृद्धि

नोएडा में खाद्य लाइसेंस विभाग ने पिछले चार वर्षों में नए लाइसेंसों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। 2021 में लगभग 2000 लाइसेंस जारी किए गए थे, जो 2022 में बढ़कर 2200, 2023 में 3100 और 2024 के नवंबर तक 2700 तक पहुंच गए हैं। नेशनल रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) के नोएडा चैप्टर के अध्यक्ष वरुण खेरा के अनुसार, नोएडा में फूड लाइसेंसों की संख्या में लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है, जो इसे भारत के सबसे तेजी से बढ़ते रेस्टोरेंट बाजारों में से एक बनाता है।

नए हॉटस्पॉट्स का उदय

कम किराए, बढ़ती मांग और नए बाजारों में प्रवेश के साथ, नोएडा और ग्रेटर नोएडा का रेस्टोरेंट उद्योग भारत के सबसे तेजी से विकसित होते बाजारों में से एक बन गया है। मनीष अग्रवाल, सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर, जेजेएल इंडिया के अनुसार, कई खाद्य और पेय ब्रांड्स नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में अपनी शाखाएं खोल रहे हैं, क्योंकि यहां रहन-सहन में तेजी से वृद्धि हो रही है। उभरते हुए मार्केट्स जैसे सेक्टर 137, 150 नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे, सेक्टर 75 और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रेस्टोरेंट्स के लिए नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रभाव

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अगले साल चालू होने की उम्मीद के साथ, यह गतिविधि और भी बढ़ने की संभावना है। एयरपोर्ट के पास रेस्टोरेंट्स और कैफे की संख्या में वृद्धि से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को और भी मजबूती मिलेगी।

निवासियों और व्यापारियों की प्रतिक्रिया

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नए हाउसिंग हब और कॉर्पोरेट दफ्तरों के खुलने से रेस्टोरेंट उद्योग में एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इन नए बाजारों में रेस्टोरेंट्स के लिए काफी संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में घरेलू और कॉर्पोरेट पेशेवरों की बाढ़ आ रही है, जो नए ग्राहकों का आधार बना रहे हैं। साथ ही, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किराए दिल्ली और गुड़गांव के मुकाबले कम हैं, जो रेस्टोरेंट्स के लिए एक आकर्षक बिंदु है।

इस प्रकार, जेवर एयरपोर्ट के आगमन से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रेस्टोरेंट उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

भाग्यनगर में पधारे राजस्थान से सांसद चुरु राहुल कसवां का एयरपोर्ट शमशाबाद पर भव्य स्वागत किया

परिवहन विशेष न्यूज

तेलंगाना हैदराबाद राजस्थान से पधारे चुरु सांसद राहुल कसवां धर्मपत्नी नीलू कसवां पुत्री महामहिम जगदीप धनखड़, उप राष्ट्रपति भारत , ,सा़सद पिए रोहितास धनकड़ , मनोज ढाका पूर्व सरपंच, जाट नेता विजयपाल चहार बागसरा जाट नेता , महेंद्र डुकीया पूर्व सरपंच सालासर , गणेश ढाका ,जाट नेता धर्माराम ढाका हैदराबाद विकास शर्मा,रामनिवास गोरचिया, ओमप्रकाश सिंवर,गुलाब बांगड़ा, आंनद शर्मा , गोपाल जाट , ओमप्रकाश गोटीया , जगदीश सीरवी,तुलसाराम बेरा ,सुजाराम कोंकणा, का सम्मान किया। इस अवसर पर राजस्थानी प्रवासी उपस्थित रहे।

कानून मंत्री की बड़ी घोषणा: काठजोडी नदी पर 2 और पुल बनाए जाएंगे

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: ट्विन सिटी में अब ट्रैफिक की समस्या नहीं रहेगी। कटक-भुवनेश्वर मार्ग पर परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाया जाएगा। जंगल में 2 और पुल होंगे। कहा गया है कि यदि एससीबी 2025 तक दूसरा परिसर पूरा नहीं करता है तो कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने आदेश दिया है कि निर्माण के लिए जिम्मेदार कंपनी को काली सूची में डाल दिया जाएगा।

कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि कटक शहर की सड़कों को भी चौड़ा किया जाएगा। कानून मंत्री ने कटक में यह घोषणा की। न्यायिक अकादमी रोड तीन लेन की सड़क होगी। न्यायिक अकादमी रोड-जोबरा 6 लेन का होगा। कानून मंत्री ने बताया कि कटक-भुवनेश्वर में सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 में मेडचल चेंपियन

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें संस्करण व महिला वर्ग खेलों का समापन प्रायोजक वंडर वॉल पुट्टी, समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, समाज बंधुओं व टीमों के खिलाड़ियों की उपस्थिति में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड में हुआ।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-7 के तहत पहला सेमीफाइनल मैच टाइटन्स व शमशाबाद के मध्य खेला गया, जिसमें शमशाबाद 119 रन से विजयी रही। प्रेम सीरवी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा सेमीफाइनल मैच संगा रेड्डी व मेडचल के बीच खेला गया जीसमे मेडचल 5 विकेट विजयी रहीं अर्जुन चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। फाइनल मुकाबला मेडचल व शमशाबाद के माध्य खेला गया, जिसमें मेडचल की टीम 8 विकेट से विजयी रही। अर्जुन को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। मेडचल चैंपियन बना। उनको सीरवी समाज प्रिमियर लीग 7 के समापन समारोह में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ महिला वर्ग खेलों में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समापन अवसर पर प्रतियोगिता के स्पॉनसर वंडर वाल पट्टी समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि समाज के गणमान्य बन्धु, समाज के CA , डाक्टर अध्यापक और अधिवक्ता मोजुद रहे। सभी मैचों का सीधा प्रसारण यू- ट्यूब पर और SSPL Application पर किया जा रहा है। सफल आयोजन में सीरवी समाज फ्रेन्डस क्लब के सदस्य उपस्थित रहें। कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। BRS चैनल पर लाइव कवरेज भगवानराम राठौड़, बबुल किया।SSPL के सुरेश सैणचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

मल्लापुर स्थित चिल्कानगर सिन्दडॉ परिवार द्वारा कार्यक्रम आयोजित अतिथियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक तुलसाराम सिन्दडॉ सीरवी समाज पारसी गुटा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज कोरेमुला बडेर अध्यक्ष कालुराम काग, संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, सीरवी समाज मल्लापुर बडेर सचिव ओकाराम, ओमप्रकाश पंवार, मोहनलाल सानपुरा, राजुराम बर्फा, गोपाराम मुलेवा, दुर्गाप्रसाद हाम्बड़, प्रकाश, नारायण लाल हाम्बड़, ओमप्रकाश काग, शेषाराम पंवार , प्रकाश , हनुमान,पवन कुमार हाम्बड़, बालकिशन सांखला, बाबूलाल मुलेवा,समाज बन्धु उपस्थित रहे।

श्री नाकोड़ा भैरव परिवार हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा श्री नाकोड़ा भैरव भक्ति संध्या में मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया

परिवहन विशेष न्यूज

शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में आज के इस भजन संध्या में मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा रक्तदान जागरूकता के लिए रक्तदान शिविर लगाया गया था ! जिसमें कुल 55 रक्तवीर रक्तविरंगनाओ ने अपना रक्तदान किया ! सभी रक्तवीर रक्तविरंगनाओ को मंच की और से प्रशस्ति पत्र एवं कप देकर सम्मानित किया गया !

रक्तदान शिविर में पधारे अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के डायरेक्टर युवा सुरेश एम जैन , जैन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री योगेश जी जैन , आंध्रप्रदेश तेलंगाना प्रांत के सचिव युवा मनीष नाहर,रक्तदान संयोजक युवा मनोज जैन , सिकंदराबाद शाखा के पूर्व अध्यक्ष युवा पप्पू कुमार गोडेला, वरिष्ठ सदस्य नारायण लाल चावड़ा , युवा राजेश व्यास का शॉल , गलपट्टा से स्वागत किया गया ! इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मखाना, मंचू विनायकिया, सह मंत्री शशि नहर, कोषाध्यक्ष सुमन घोड़ेला, सुनीता डूंगरवाल मीना दुग्गड, संतोष गुजरानी, मंजू घोड़ेला, सुगना घोड़ेला मंजू गांधी, बबीता घोड़ेला,दिव्या घोडेला, पुष्पा कोठारी, रिद्धि बोहरा,भव्य बोहरा, सिद्धि बोहरा का सारणी योगदान रहा। रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023